हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक–265 : जौनपुर, बुधवार 28 जून 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

हम एसी कमरों में बैठ कर पार्टी नहीं चलाते हैं, जनता के बीच खुद को खपाते हैं : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। मोदी ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत कार्यकर्ता हैं। मैं इस कार्यक्रम की संकल्पना के लिए नड्डा और भाजपा शासित राज्यों के नेताओं को बधाई देता हूं। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत आप सभी कार्यकर्ता हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज भाजपा द्वारा भोपाल में आयोजित 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उनके साथ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मौजूद रहें। इस दौरान मोदी ने कहा कि मध्य प्रदेश की धरती की भाजपा को सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनाने में बहुत बड़ी भूमिका है। आज मुझे देश के 6 राज्यों को जोड़ने वाली 5 वंदे भारत ट्रेनों को एक साथ हरी झंड़ी दिखाने का अवसर मिला है। मैं मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार,

कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र की जनता को इस आधुनिक वंदे भारत ट्रेन की कनेक्टिविटी के लिए बधाई देता हूं। मोदी ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत कार्यकर्ता हैं। मैं इस कार्यक्रम की संकल्पना के लिए नड्डा और भाजपा शासित राज्यों के नेताओं को बधाई देता हूं। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत आप सभी कार्यकर्ता हैं। आज मैं एक साथ बूथ पर काम करने वाले 10 लाख कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि शायद किसी भी राजनीतिक दल के इतिहास में ग्रास रूट लेवल पर व्तहंदपेमक ूल में इतना बड़ा कार्यक्रम कभी नहीं हुआ होगा जितना बड़ा आज यहां हो रहा है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि आप सिर्फ बीजेपी ही नहीं देश के संकल्पों की सिद्धि के भी मजबूत सिपाही हैं। भाजपा के हर कार्यकर्ता के लिए देशहित सर्वोपरि है, दल से बड़ा देश है। जहां दल से बड़ा देश हो... ऐसे कर्मठ कार्यकर्ताओं से बात करना मेरे लिए भी एक मंगल उत्सव है... मैं भी बड़ा उत्सुक हूं।प्रधानमंत्री ने कहा कि बूथ अपने आप में एक बहुत बड़ी इकाई है और हमें कभी भी बूथ की इस इकाई को छोटा नहीं समझना चाहिए। बहुत सी ऐसी चीजें होती हैं जहां जमीनी फीडबैक बहुत जरूरी होता है और जो बूथ के हमारे साथी हैं वो इसमें बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री अगर कोई सफल नीति बनाता है तो मान लेना कि इसमें बूथ स्तर की जानकारी की बहुत बड़ी ताकत होती है। हम उनमें से नहीं है जो ।ब वाले कमरों में बैठ कर पार्टियां चलाते हैं और फतवे निकालते हैं। हम तो वो लोग हैं जो गांव–गांव जा कर हर मौसम, हर परिस्थिति में... जनता के बीच खुद को खपाते हैं।उन्होंने कहा कि भाजपा की बूथ कमेटी की पहचान सेवा से होनी चाहिए, सेवा भाव से होनी चाहिए। बूथ के अंदर संघर्ष की जरुरत नहीं होती है, सेवा ही एक मात्र माध्यम होता है। भारत तभी विकसित देश बनेगा जब हमारे गांव विकसित होंगे। पार्टी अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी, जो देश के सबसे बड़े प्रशासक हैं...चीफ एग्जीक्यूटिव हैं लेकिन जब भी पार्टी की बात आती है तो आप कभी भी हमें समय देने से नहीं हिचकते। ये हम सब के लिए सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री जी कुशल प्रशासक भी हैं और संगठन के संगठक भी हैं।

मोदी ने 10 मिनट में लिया था सर्जिकल स्ट्राइक का फैसला, राजनाथ सिंह बोले- अगर जरूरत पड़ी तो...

एजेंसी

नई दिल्ली। राजनाथ ने कहा कि पुलवामा और उरी दोनों दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं थीं। प्रधानमंत्री को (सर्जिकल स्ट्राइक करने पर) फैसला लेने में सिर्फ 10 मिनट लगे जो उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाता है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सुरक्षा कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए बड़ा खुलासा किया है। रक्षा मंत्री ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई शुरू की और पहली बार न केवल देश बल्कि दुनिया को भी पता चला कि आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का मतलब क्या है। उन्होंने कहा कि पुलवामा और उरी दोनों दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं थीं। प्रधानमंत्री को (सर्जिकल स्ट्राइक करने पर) फैसला लेने में सिर्फ 10 मिनट लगे जो उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाता है।सिंह ने कहा, ष्भारत अब पहले जैसा भारत नहीं रह रहा है। भारत ताकत बनता जा रहा है। जरूरत पड़ी तो भारत सीमा के इस पार भी मार सकता है और जरूरत पड़ी तो उस पार भी जा सकता है।ष पाकिस्तान को परोक्ष चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने मोदी सरकार के तहत आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है, और 2016 में सीमा पार किए गए सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 बालाकोट हवाई हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पुलवामा और उरी दोनों दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं थीं...प्रधानमंत्री को (सर्जिकल स्ट्राइक करने पर) फैसला लेने में सिर्फ 10 मिनट लगे जो उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाता है। हमारी सेनाओं ने न केवल इस तरफ के आतंकियों को मार गिराया, बल्कि सीमा पार जाकर भी उन्हें खत्म किया। आतंकवादियों ने सितंबर 2016 में उरी में सेना के एक शिविर पर हमला किया था, जिसमें 19 जवान मारे गये थे। घटना के एक पखवाड़े बाद सीमापार 'सर्जिकल स्ट्राइक' को अंजाम दिया गया और आतंकवादियों के 'लांच पैड' तबाह कर दिये गये। फरवरी, 2019 में दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में आतंकवादियों के एक काफिले पर आत्मघाती हमले में

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 40 जवान शहीद हो गए थे। हमले के 12 दिन बाद भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकवादी शिविर को नेस्तनाबूद कर दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि जम्मू कश्मीर ने लंबे समय तक आतंकवाद का दंश झेला है।

दिल्ली में जंगलराज, केजरीवाल का केंद्र और एलजी पर निशाना, बोले- आपसे नहीं संभलती कानून व्यवस्था तो हमें दे दीजिए

एजेंसी

नई दिल्ली। शहर की कानून–व्यवस्था की स्थिति को लेकर दिल्ली एलजी द्वारा बुलाई गई बैठक पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ऐसा लगता

है कि केंद्र सरकार के पास दिल्ली की कानून–व्यवस्था सुधारने के लिए कोई ठोस योजना नहीं है। बैठक बुलाना महज औपचारिकता है।राजधानी दिल्ली की कानून व्यवस्था को लेकर लगातार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल केंद्र और उपराज्यपाल पर निशाना साधते रहे हैं। प्रगति मैदान में हुए वारदात के बाद अरविंद केजरीवाल एक बार फिर से केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि दिल्ली में जंगलराज है, अगर आप लोगों से कानून व्यवस्था नहीं सुधरती तो हमें दे दीजिए। केजरीवाल ने उपराज्यपाल पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र सरकार और वह अपनी पूरी ऊर्जा दिल्ली सरकार के काम रोकने में लगाते हैं। शहर की कानून–व्यवस्था की स्थिति को लेकर दिल्ली एलजी द्वारा बुलाई गई बैठक पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ऐसा लगता है कि केंद्र सरकार के पास दिल्ली की कानून–व्यवस्था सुधारने के लिए कोई ठोस योजना नहीं है। बैठक बुलाना महज औपचारिकता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रगति मैदान इलाके में जी20 की बैठक होगी, वहां दिनदहाड़े डकैती की वारदात को अंजाम दिया गया। दिल्ली में श्जंगलराजश है। हमें कानून–व्यवस्था दीजिए, हम इसे सबसे सुरक्षित शहर बनाएंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि एलजी को इस्तीफा देना चाहिए। किसी ऐसे व्यक्ति के लिए रास्ता बनाएं जो दिल्ली के लोगों को सुरक्षा प्रदान कर सके। प्रगति मैदान सुरंग में एक डिलीवरी एजेंट और उसके सहयोगी से बंदूक के दम पर लूटपाट करने के मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस को मिले सीसीटीवी फुटेज में मोटरसाइकिल सवार चार बदमाश चांदनी चौक स्थित ओमिया इंटरप्राइजेज के डिलीवरी एजेंट और उसके सहयोगी की कैब को रोकते और दोनों से बंदूक के दम पर लगभग दो लाख रुपये नकदी से भरा बैग लूटते नजर आए थे। पिछले शनिवार को लूट की इस घटना को उस समय अंजाम दिया गया था, तब दोनों नकद की आपूर्ति करने के लिए कैब से गुरुग्राम जा रहे थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

सपा के गढ़ को सुरक्षित करेंगे शिवपाल यादव, आजमगढ़ से लोकसभा चुनाव लड़ने पर चर्चा

नई दिल्ली। जानकारी के मुताबिक के शिवपाल यादव समाजवादी पार्टी के गढ़ माने जाने वाले आजमगढ़ से चुनाव लड़ सकते हैं। स्थानीय नेता भी उनके नाम पर सहमत हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी इस पर सहमत हो सकते हैं।2024 लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी है। सभी राजनीतिक दलों ने अपने–अपने स्तर पर चुनावी रणनीति बनाने की शुरुआत कर दी है। सबसे ज्यादा निगाहें उत्तर प्रदेश पर है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में अहम भूमिका निभाने वाली समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कवायद तेज हो गई है। पार्टी के महासचिव शिवपाल यादव को लेकर बड़ी खघ्बर आई है। जानकारी के मुताबिक के शिवपाल यादव समाजवादी पार्टी के गढ़ माने जाने वाले आजमगढ़ से चुनाव लड़ सकते हैं। स्थानीय नेता भी उनके नाम पर सहमत हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी इस पर सहमत हो सकते हैं। हाल में ही अखिलेश यादव ने आजमगढ़ में पार्टी के सभी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विधायक पदाधिकारी की एक अहम बैठक बुलाई थी। इसी बैठक के बाद शिवपाल यादव का नाम चर्चा में है।

उप्र से भाजपा के राज्यसभा सदस्य हरद्वार दुबे का निधन, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया शोक

एजेंसी

नई दिल्ली। आगरा में उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में संगठन मंत्री के रूप में काम किया। उनका विवाह प्रोफेसर कमला पांडे से हुआ था। धौलपुर हाउस आगरा में उनका स्थायी आवास है। उत्तर प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य हरद्वार दुबे का सोमवार को दिल्ली स्थित एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 74 वर्ष के थे। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि दुबे को 12 जून को फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टिट्यूट में भर्ती कराया गया था। उन्होंने सोमवार तड़के अंतिम सांस ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुबे के निधन पर शोक व्यक्त किया। राष्ट्रपति भवन ने राष्ट्रपति मुर्मू के हवाले से ट्वीट किया, ''राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री हरद्वार दुबे के निधन का समाचार दुःखद है। वे जनसेवा के लिए समर्पित थे।'' उन्होंने कहा, ''शोकसंतप्त परिजनों व समर्थकों के प्रति मेरी गहन संवेदनाएं।'' उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा, ''राज्यसभा के सदस्य हरद्वार दुबे के देहावसान का समाचार अत्यंत दुःखद है।ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और उनके परिजनों को

दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। मोदी ने एक ट्वीट में कहा, ''भाजपा के कर्मठ सांसद हरद्वार दुबे के निधन से अत्यंत दुख हुआ। वे जमीन से जुड़े एक ऐसे नेता थे, जो उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में अपने अहम योगदान के लिए हमेशा याद किए जाएंगे। शोक की इस घड़ी में ईश्वर उनके परिजनों और प्रशंसकों को संबल प्रदान करे।'' बिरला ने एक ट्वीट में कहा, ''वरिष्ठ राजनेता तथा राज्यसभा के सदस्य हरिद्वार दुबे के देहावसान पर शोक व्यक्त करता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और परिजनों को शोक की इस घड़ी में धैर्य प्रदान करें। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं।'' योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट किया, ''राज्यसभा सदस्य और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री रहे हरद्वार दुबे जी का निधन अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहने की शक्ति दें।''दुबे का पार्थिव शरीर आज दोपहर आगरा के धौलपुर हाउस स्थित आवास लाया गया जहां भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी आगरा पहुंचे और दुबे को पुष्पांजलि अर्पित की। सांसद के पुत्र प्रांशु दुबे के अनुसार, उनके पिता का अंतिम संस्कार आगरा में ताजगंज मोक्षधाम में किया गया। हरद्वार दुबे का जन्म एक जुलाई, 1949 को हुसैनाबाद, बलिया में हुआ था। आगरा में उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में संगठन मंत्री के रूप में काम किया। उनका विवाह प्रोफेसर कमला पांडे से हुआ था। धौलपुर हाउस आगरा में उनका स्थायी आवास है। उन्होंने 1989 में आगरा छावनी से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा और विजयी रहे। 1991 में फिर से विधायक बने और कल्याण सिंह की सरकार में वित्त राज्य मंत्री बने। 2005 में उन्होंने खेरागढ़ विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा लेकिन सफलता नहीं मिली। वह 2013 में भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता बनाए गए। 26 नवंबर, 2020 को उन्होंने राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली थी।

संजय राउत ने बीएमसी अधिकारी के साथ मारपीट की घटना को उचित ठहराया, कहा- लोग गुस्से में थे

एजेंसी

नई दिल्ली। अनिल परब के साथ आए शिवसैनिकों ने दावा किया कि कार्यकर्ताओं द्वारा बार–बार अनुरोध किए जाने के बावजूद कि उन्हें कार्यालय को गिराने से पहले कार्यालय से पोस्टर हटाने की अनुमति दी गई थी, स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे की तस्वीर के साथ संरचना को ध्वस्त कर दिया गया था। बीएमसी (बृहन्मुंबई नगर निगम) पर कथित तौर पर हमला करने के बाद सोमवार देर रात शिव सेना (यूबीटी) के चार कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया और अनिल परब सहित लगभग 25 अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत पुलिस मामला दर्ज किया गया। विवरण के अनुसार, गुरुवार (22 जून) को बांद्रा पूर्व के निर्मल नगर में एक अवैध शाखा कार्यालय को ध्वस्त करने के बाद बीएमसी अधिकारी की पिटाई की गई। मुंबई पुलिस ने पुष्टि की कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान अनिल परब,

हाजी अलीम, उदय दलवी और संतोष कदम के रूप में की गई है।अनिल परब के साथ आए शिवसैनिकों ने दावा किया कि कार्यकर्ताओं द्वारा बार–बार अनुरोध किए जाने के बावजूद कि उन्हें कार्यालय को गिराने से पहले कार्यालय से पोस्टर हटाने की अनुमति दी गई थी, स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे की तस्वीर के साथ संरचना को ध्वस्त कर दिया गया था। बहस ने तब हिंसक रूप ले लिया जब सेना (यूबीटी) के कार्यकर्ता बांद्रा पूर्व में बीएमसी वार्ड कार्यालय में घुस गए और अधिकारी के साथ मारपीट की। समाचार एजेंसी एएनआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में बीएमसी कार्यालय में अराजकता दिखाई दे रही है। रिपोर्टों में कहा गया है कि परब ने अन्य कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर संबंधित अधिकारी को उन्हें सौंपने के लिए कहा और उसकी पिटाई की। इस बीच, शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बीएमसी अधिकारी के साथ मारपीट की घटना को उचित ठहराया और कहा कि लोग गुस्से में थे और इसलिए उन्होंने हाथ उठाया। राउत ने कहा, ष्यह लोगों के मन में व्याप्त भावना थी जो फूट पड़ी। उन्होंने शिवसेना शाखा के 40 साल पुराने कार्यालय को ध्वस्त कर दिया। जब उन्होंने बालासाहेब ठाकरे की तस्वीर पर हथौड़ा मारा तो हमारी आंखों में आंसू आ गए।ष राउत ने आगे कहा, ष्लोग गुस्से में थे और इसलिए उन्होंने हाथ उठाया, ठीक है, हम जेल जाएंगे।ष्गुरुवार को, मुंबई नागरिक निकाय ने बांद्रा रेलवे स्टेशन के पूर्वी हिस्से में कुछ कथित अनधिकृत संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया। हालाँकि, शिव सेना (यूबीटी) ने दावा किया कि उसकी 40 साल पुरानी शाखा, जैसा कि शिव सेना की स्थानीय शाखाओं के लिए जाना जाता है, ढहाए गए ढांचे में से एक थी।

मध्य प्रदेश के कई शहरों में लगे मुख्यमंत्री चौहान के विवादित पोस्टर

एजेंसी

नई दिल्ली। इन पोस्टरों के लगने के बाद मध्य प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस और सत्तारूढ़ भाजपा के बीच वाकयुद्ध शुरू हो गया था।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से एक दिन पहले भोपाल एवं इंदौर सहित मध्य प्रदेश के कई शहरों में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के विवादित पोस्टर चिपके हुए मिले। इन पोस्टरों में चौहान की फोटो लगाकर उन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए लिखा गया है कि '50 प्रतिशत लाओ और काम कराओ'। साथ ही लिखा गया है कि भुगतानरू 'फोनपे' से करो।हालांकि, इन पोस्टरों को किसने लगाया है, अब तक पता नहीं चल पाया है। भाजपा ने इन पोस्टरों के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया, जबकि कांग्रेस ने कहा कि भ्रष्टाचार से परेशान लोग इन्हें लगा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस ने अपने ट्विटर हैंडल पर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, सीहोर, रीवा, मंदसौर, उज्जैन, भिंड, बालाघाट, बुधनी और अन्य शहरों में लगे इन पोस्टरों के वीडियो साझा किए। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर शहर के नामों के साथ इन पोस्टरों को साझा किया। इन पोस्टरों में क्यूआर कोड और चौहान की तस्वीर है, जिस पर लिखा है – '50 प्रतिशत लाओ, काम कराओ'।भुगतान करने को लिखा गया है रू 'फोनपे' (करो)। अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से एक ट्वीट में कांग्रेस ने कहा, ''मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के गृह क्षेत्र बुदनी में उनके बेटे कार्तिकेय के नाम के पार्क में लगे शिवराज के भ्रष्टाचार के पोस्टर। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के गृह क्षेत्र में चिपके शिवराज के भ्रष्टाचार के पोस्टर।'' भाजपा नीत सरकार पर तंज कसते हुए कांग्रेस ने ट्वीट कर लिखा, ''सड़कों पर शिवराज का भ्रष्टाचार। '50 प्रतिशत लाओ, फोन पे (करो), काम कराओ'। मध्यप्रदेश की जनता जानती है। 50 प्रतिशत कमीशनखोरों को पहचानती है।'' तीन दिन पहले 23 जून को भोपाल में मुख्यमंत्री चौहान और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के खिलाफ शुक्रवार को भोपाल में पोस्टर चिपके मिले, जिससे इन दोनों दलों में जुबानी जंग छिड़ गई थी। तत्काल स्पष्ट नहीं हो पाया है कि भोपाल में ये पोस्टर किसने लगाए हैं। चौहान और कमलनाथ को इस साल नवंबर में प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए क्रमशरू भाजपा और कांग्रेस का मुख्यमंत्री का चेहरा माना जा रहा है।यह सब तब शुरू हुआ जब पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के खिलाफ शुक्रवार को भोपाल शहर के शाहपुरा इलाके में विवादित पोस्टर चिपके मिले, जिसमें उन्हें 'वांछित' और 'भ्रष्ट' बताया गया। कमलनाथ की तस्वीर वाले इन पोस्टरों में स्कैन कोड भी लगे थे और लिखा था ''स्कैम से बचने के लिए स्कैन करें'' और ''भ्रष्ट नाथ'' के कांड

जानें। इसके अलावा, इन पोस्टरों में आरोप लगाया गया है कि कमलनाथ ने करोड़ों रुपये के घोटाले किए हैं। कमलनाथ के खिलाफ इन पोस्टरों के सामने आने के कुछ ही देर बाद मुख्यमंत्री चौहान की तस्वीर वाले दो विवादित पोस्टर भोपाल में कांग्रेस कार्यालय से कुछ ही दूरी पर व्यस्त लिंक रोड पर लगे हुए मिले। इन पोस्टरों में से एक पर लिखा था,– ''शिवराज नहीं, घोटाला राज'' और दूसरे पर लिखा था।

सम्पादकीय

मणिपुर हिंसा पर कड़े फैसले की दरकार

मणिपुर के हालात संभाले नहीं संभल रहे हैं। उपद्रवियों ने नई दिल्ली में सरकार की तरफ से बुलाई सर्वदलीय बैठक के नतीजों का इंतजार तक नहीं किया।वहां एक मंत्री के गोदाम को फूंक दिया और उनके घर फूंकने की कोशिश की। यह स्थिति तब है जबकि मणिपुर में इस वक्त रिकार्ड संख्या में सुरक्षाबल और अधिकारी तैनात हैं। विपक्ष का जोर है कि वहां एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजा जाए, जो कूकी एवं मैइती समुदाय से बात करे। ये सब प्रयास ऐसे समय अपेक्षित होते हैं और किए भी जाने चाहिए। इससे उस हिंसा पीडिघ्त राज्य को संदेश जाता है कि उनके मुद्दों को लेकर पूरा देश चिंतित है।भारत जैसा कोई भी लोकतांत्रिक राज्य किसी सख्ती से पहले इन उपायों को आजमाता है। उपायों को बगैर आजमाए हुए उन्हें विफल करार नहीं दिया जा सकता। लेकिन मणिपुर में उपद्रव का जो ट्रेंड दिख रहा है, उनसे कुछ बातें जाहिर होती हैं। पहली, राज्य की सरकार और उसके मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह जनता का भरोसा खो चुके हैं। बहुसंख्यक मैइती मानते हैं कि वे सरकार का समर्थन करने के बावजूद मर रहे हैं तो कूकी समुदाय भी उन पर भरोसा नहीं करते।दूसरी, हिंसा में जिस तरह के हथियारों का इस्तेमाल हो रहा है, वह भयावह है। ये सरकारी संस्थानों से लूटे गए असलहे के अलावा हैं। आशंका है कि इनमें बाहरी हथियार भी हैं। यह गृहयुद्ध की स्थिति है। तीसरी बात यह कि हिंसाग्रस्त क्षेत्रों से दोनों ही समुदायों के लोगों का पलायन हो रहा है। यानी कूकी और मैइती दोनों ही अपनी सुरक्षा के लिए घर छोड़ रहे हैं। ये हालात पूर्वोत्तर के बड़े संकट को दोहराते लगते हैं, जब सरकार को किसी बड़े ऑपरेशन की जरूरत होती है।यह ऑपरेशन अपनी ही पार्टी की सरकार को बर्खास्त करने और राष्ट्रपति शासन लगाने तक हो सकते हैं। इन्हीं परिस्थितियों में 1980 के दशक में पंजाब में केंद्र ने अनुच्छेद 356 के तहत संवैधानिक उपायों का सहारा लिया था और दरबारा सिंह सरकार को तात्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बर्खास्त कर दिया था। इसके पहले मिजोरम में उन्होंने असाधारण सख्ती की थी।

मणिपुर के हालात जैसे बिगड़ रहे हैं, उन्हें देखते हुए केंद्र सरकार को ऐसे कदम उठाने की अपरिहार्यता लगती है। बहरहाल, यह बात एक वयस्क लोकतंत्र के आचरण के अनुरूप है कि सभी दल दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर समाधान के प्रति गंभीर हैं और इसके उपाय भी सुझा रहे हैं। खुद प्रधानमंत्री भी हर दिन इस मसले पर अपडेट होते रहते हैं।

मोदी ने भारत को सुपर पावर बनाने का जो संकल्प लिया है उसे वह सिद्ध करके रहेंगे

दीपक कुमार त्यागी

भारत दुनिया का एक ऐसा अहम देश है जोकि अपनी जाति, धर्म, बोली, पानी, मौसम, विभिन्न प्रकार की भौगोलिक व जैव विविधताओं को एक सूत्र में पिरोकर दुनिया में विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर है और जल्द ही विकसित देश बनकर सुपर पावर बनने की कतार में शामिल है। इक्कीसवीं सदी के इस दौर में हर देशभक्त भारतवासी की आंखों में एक सपना बसा हुआ है कि कैसे जल्द से जल्द विकसित देश बनकर भारत का दुनिया में परचम लहराए, वह दुनिया की एक ऐसी सुपर पावर बने जिसके सम्मान में हर देश नतमस्तक हो। हालांकि देशवासियों के इस सपने को साकार करने के लिए भारत की पूर्व की सरकारें व मौजूदा सरकार निरंतर प्रयास कर रही हैं। लेकिन जब वर्ष 2014 में देश के प्रधानमंत्री पद को नरेन्द्र मोदी ने संभालने का कार्य किया था तो उस वक्त देशवासियों को उनसे बहुत ज्यादा उम्मीद थी, लोगों को लगता था कि अब श्सुपर पावर इंडियाश के मिशन को नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत तेज गति मिलेगी। वैसे भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राओं की लंबी फेरहिस्त व उपलब्धियों को देखें तो उनकी हर यात्रा पर श्सुपर पावर इंडियाश के मिशन की स्पष्ट छाप नजर आती है। वहीं अधिकांश लोगों के मतानुसार उनके श्सुपर पावर इंडियाश के सपने की उम्मीद को धरातल पर साकार करने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एकदम सोलह–आने खरे साबित हुए हैं, आज उन्होंने विदेशी धरती पर भारत की धाक जमाने का कार्य किया है। भयावह कोविड काल आने के बावजूद भी पूरी दुनिया में पिछले नौ वर्षों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की धरातल पर कारगर ठोस रणनीति के चलते भारत का डंका आज पूरी दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में बज रहा है। आज विदेशी जमीं पर भी भारतवासी गर्व से अपने आपको हिन्दुस्तानी बता रहे हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राज में आज भारत की छवि का दुनिया में यह आलम है कि कोई भी देश भारत की आज किसी भी क्षेत्र में अनदेखी करने का दुस्साहस नहीं कर सकता है। भारत ने कृषि क्षेत्र, उद्योग, व्यापार, शिक्षा, चिकित्सा, तकनीकी, रिसर्च, रक्षा, आईटी, अंतरिक्ष आदि के क्षेत्र में कार्य करते हुए जल–थल व नभ से जुड़े क्षेत्रों में अपनी एक विशिष्ट पहचान पूरी दुनिया में बनाने का कार्य किया है, जो श्सुपर पावर इंडियाश मिशन के दृष्टिकोण से एक बहुत अच्छा संकेत है।दुनिया में भारत की यह स्थिति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राज की एक बहुत ही बड़ी उपलब्धि है। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी कैबिनेट के सहयोगी व दुनिया के किसी भी देश में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले लोग समय–समय पर वैश्विक मंचों पर भारत व भारतवासियों के हक की आवाज को बुलंद होकर उठाते हैं। वह दुनिया के विभिन्न मंचों पर तथ्यात्मक बात करते हुए शेर की तरह दहाड़ते हैं और पूरी दुनिया उनको ध्यान से सुनने का कार्य करती है। इस सकारात्मक स्थिति को देखकर हर भारतवासी का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। देश को सुपर पावर बनाने के इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए अभी हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन दिवसीय अमेरिकी यात्रा गये थे, जहां पर उनका भव्य आदर सत्कार हुआ था, मोदी का यह राजकीय दौरे बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े कई बेहद अहम समझौते हुए हैं। इस दौरे के दौरान दोनों देशों के शीर्ष नेताओं ने व्हाइट हाउस में बैठकर विभिन्न मसलों पर द्विपक्षीय बातचीत कर, आठ बेहद अहम समझौतों पर अपनी रजामंदी की मुहर लगाने का कार्य किया था, जिसमें रक्षा, रेलवे व अंतरिक्ष जैसे बेहद अहम क्षेत्र शामिल हैं। वहीं इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है कि वह राजकीय यात्रा के दौरान दो अवसरों पर अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करने वाले पहले भारतीय राजनेता बन गये हैं। वहीं उनके संबोधन के दौरान अमेरिका के सांसदों का बार–बार ताली बजाना उनकी लोकप्रियता व भारत की बढ़ती ताकत को दर्शाने का कार्य बखूबी करता है।आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया की एक ऐसी लोकप्रिय शख्सियत बन चुके हैं जिनका आटोग्राफ खुद राष्ट्राध्यक्ष लेने का कार्य कर रहे हैं, जो हम भारतीयों के लिए एक बेहद अच्छा सकारात्मक संदेश है। वैसे भी बिना किसी पूर्वाग्रह के निष्पक्ष रूप से देखा जाये तो मोदी राज में भारत को प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय मंच पर विशेष तरजीह निरंतर मिलती रही है, शायद ही दुनिया के देशों का ऐसा कोई ही महत्वपूर्ण मंच रहा जहां पर भारत अपनी पूरी धमक के साथ व सम्मानजनक ढंग से उपस्थित ना रहा हो। यह उसी धाक का ही कमाल है कि आज मोदी सरकार की विदेश नीति की चर्चा हम देशवासियों के साथ पूरी दुनिया भी कर रही है, पक्ष–विपक्ष के देश भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश नीति का जबरदस्त लोहा मान रहे हैं, सभी को लगने लगा है कि मोदी के श्सुपर पावर इंडियाश का मिशन अब पूर्ण नियंत्रण के साथ उचित रफ्तार में है, तभी देशवासियों के साथ–साथ अब तो विदेशी धरती से भी यह गूंज सुनाई देती है कि– श्मोदी है तो मुमकिन हैश। वैसे भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विदेशी दौरों के दौरान समय–समय पर अपनी कुशल कारगर रणनीति व दमदार कार्यशैली के दम पर बार–बार यह साबित करने का कार्य किया है कि श्झुकती है दुनिया, बस झुकाने वाला चाहिएश, जो कि श्सुपर पावर इंडियाश मिशन के लिए एक बहुत ही अच्छा संकेत है।

बिपरजॉय से सुनियोजित और समन्वित तरीके से निपटना एक विलक्षण उपलब्धि

अतुल करवाल

बेहद भीषण चक्रवाती तूफान बिपरजॉय 15 जून की शाम 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से कच्छ के समुद्र तट से टकराया और उसने पूरे गुजरात और राजस्थान में भारी तबाही मचाई। प्रकृति के ऐसे प्रकोप के सामने आपदा रोधी प्रणाली की एकमात्र उपलब्धि यही रही कि गुजरात में इस तूफान के टकराने के बाद एक भी व्यक्ति की जान नहीं गई। यह ऐसी भयावह आपदाओं का सामना करने की दिशा में राष्ट्र की क्षमता में उत्तरोत्तर हो रही वृद्धि का प्रमाण है, क्योंकि इससे पहले 1999 में ओडिशा में आए सुपर चक्रवात में 9,887 और 2020 में आए सुपर चक्रवात अम्फान में 128 लोगों की मौत हुई थी।

बिपरजॉय से सुनियोजित और समन्वित तरीके से निपटना एक अभूतपूर्व उपलब्धि है जिसका विश्लेषण और पुनरावृत्ति करने की आवश्यकता है। भारत द्वारा एक के बाद एक तीन बड़ी आपदाओं– 1999 में ओडिशा में आया सुपर चक्रवात, 2001 में कच्छ में आया भूकंप और 2004 में आई सुनामी– का सामना किए जाने के बाद राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के समर्पित ढांचे की स्थापना की गई। इस बात का अहसास होने पर कि शमन, जोखिम में कमी और आपदा से निपटने की दिशा में किए गए प्रयास आपदा के समय लाभप्रद रहते हैं, ऐसी भीषण आपदाओं से निपटने की हमारी क्षमता में सुधार लाने पर व्यापक ध्यान दिया जा रहा है। यह इस बात के मद्देनजर भी उचित है कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे अधिक आपदाओं की आशंका वाला देश है। केंद्र सरकार ने 2006 में आठ बटालियनों के साथ स्थापित किए गए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की क्षमता को विशेष रूप से मजबूती प्रदान की है और अब इसकी बटालियनों की संख्या बढ़कर सोलह हो गई है। प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री ने विशेष रूप से पिछले कुछ वर्षों में आपदा संबंधी तैयारियों और इससे निपटने की कार्रवाई की व्यक्तिगत निगरानी करते हुए भारत को आपदा प्रतिरोधी बनाने पर बहुत जोर दिया है। प्रधानमंत्री ने 2016 में दिल्ली में एशियाई मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में अपने द्वारा प्रतिपादित 10 सूत्री कार्यक्रम और आपदा रोधी अवसंरचना के लिए केंद्र की स्थापना के द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण का एक विजन भी प्रदान कियाय इस पहल में 40 से अधिक देश पहले ही शामिल हो चुके हैं।

बिपरजॉय का सफलतापूर्वक सामना करने में आपदा से निपटने की तैयारी में किसी भी तरह की खामी न होने ने भी योगदान दिया। अरब सागर के पार बिपरजॉय की असामान्य धीमी प्रगति ने हमें इसके लिए पर्याप्त समय दिया। देश के सर्वोच्च पदाधिकारियों की देखरेख और उनके निरंतर प्रोत्साहन और प्रेरणा की बदौलत एनडीआरएफ दुनिया में अपने आप में परिपूर्ण, साल भर सक्रिय, समर्पित आपदा मोचन बल की एक ऐसी अनूठी मिसाल बन चुका है, जिसके पास अब सभी प्रकार की मानव निर्मित और प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावशाली रूप से निपटने का सामर्थ्य मौजूद है। यह इस साल 6 फरवरी को तुर्किये में आए विनाशकारी भूकंप में हमारी ओर से की गई प्रतिक्रिया से भी प्रदर्शित हुआ, जब भारत सबसे त्वरित प्रतिक्रिया देने वाले देशों में से एक रहा। इतना ही नहीं, एनडीआरएफ के 152 बचावकर्मियों और पैरा फील्ड अस्पताल के 99 कर्मियों के साथ भारत का दस्ता सबसे विशालतम दस्ता था। प्रशंसा की पात्र है भारतीय वायु सेनाय उसके कुशल पायलट और विमान, जिन्होंने हमारे वाहनों तक को तुर्किये पहुंचाया, जिनकी बदौलत हमारे एनडीआरएफ के बचावकर्मी वहां पहुंचने के साथ ही मामूली स्थानीय मदद से सहायता कार्य में जुट गए।

एनडीआरएफ टीमों की अग्रिम तैनाती और अन्य केंद्रीय एजेंसियों और रक्षा बलों की तैयारियों के अलावा, गुजरात सरकार की गहन योजना भी बिपरजॉय में सफलता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण रही। यह संभवतरू अकेला सबसे महत्वपूर्ण कारण रहा और इसमें पारंपरिक और अभिनव उपाय भी शामिल रहे। अंतिम असुरक्षित व्यक्ति तक असुरक्षित आबादी की पहचान की गई और 1,43,053 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। पेड़ों को उखडने से बचाने के लिए उनकी कांट–छांट की गई और 4,317 होर्डिंग्स को उतार दिया गया, ताकि उन्हें तेज रफ्तार हवाओं की चपेट में आकर टूटने और उडने वाली घातक वस्तुओं में तब्दील होने से रोका जा सके। ऐसी 1,152 गर्भवती महिलाओं को ऐहतियात के तौर पर पहले ही अस्पतालों में भर्ती करा दिया गया, जिनके प्रसव का समय चक्रवात के समय ही नियत था और चक्रवात के दौरान 707 बच्चों का जन्म सुरक्षित वातावरण में हुआ। बेहद सख्त प्रशासन तंत्र ने लोगों को उनके घरों के अंदर और जोखिम भरे आचरण करने से दूर रखा। यह सब एनडीआरएफ की 18 और एसडीआरएफ की 12 टीमों की अग्रिम तैनाती से संभव हो सका, जिन्होंने क्या करें और क्या न करें के बारे में जागरूकता फैलाने और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए राजी करने के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर चौबीसों घंटे काम किया। इन टीमों ने चक्रवात के दौरान और उसके बाद स्थिति को जल्द से जल्द सामान्य बनाने के लिए भी काम किया।

ऐसी भीषण आपदा से इतने सुनियोजित और समन्वित तरीके से निपटने, एक भी इंसान की मृत्यु नहीं होने देकर जो मानक स्थापित किया गया है, वह अत्यंत प्रेरणादायक है। इसके प्रमुख कारकों में,जिनकी सराहना प्रधानमंत्री ने की है– सामुदायिक जागरूकता, हर प्रत्याशित घटना के लिए गहन योजना और समय से पहले की गई कार्रवाई शामिल है। इस सफलता की पुनरावृत्ति के लिए राज्यों को साल भर सक्रिय रहने वाली, समर्पित, सुसज्जित और प्रशिक्षित एसडीआरएफ की पर्याप्त संख्या में उपलब्धता की भी आवश्यकता है।

जलवायु परिवर्तन के कारण ऐसी आपदाएं बढ़ती जा रही हैंय 1980–1999 की अवधि के दौरान दर्ज की गई 4,212 आपदाओं की तुलना में 2000–2019 की अवधि में 7,348 आपदाएं दर्ज की गईं। इनसे निपटने की तैयारी करने के लिए एनडीआरएफ की ओर से एसडीआरएफ की क्षमता निर्माण और अपने स्कूल सुरक्षा कार्यक्रमों और सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता फैलाने के लिए अथक प्रयास किए जा रहे हैं। एनडीआरएफ अपनी क्षमता में सुधार लाने का निरंतर प्रयास करता है तथा राष्ट्र और समूची मानवता के लिए अपनी सेवाएं समर्पित कर गौरवान्वित महसूस करता है। लेखक आईपीएस, महानिदेशक, एनडीआरएफ हैं

किसानों की बढ़ रही आमदनी

प्रह्लाद सबनानी

भारत में लगभग 60 प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण इलाकों में रहती है एवं इसमें से बहुत बड़ा भाग अपनी आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है।यदि ग्रामीण नागरिकों की आय में वृद्धि होने लगे तो भारत के आर्थिक विकास की दर को 10 प्रतिशत से भी अधिक किया जा सकता है। इसी दृष्टि से केंद्र सरकार लगातार यह प्रयास करती रही है किस प्रकार किसानों की आय को दुगुनी की जाए। इस दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

अप्रैल 2016 में इस संबंध में एक मंत्रालय समिति का गठन भी केंद्र सरकार द्वारा किया गया था एवं किसानों की आय बढ़ाने के लिए सात स्रेतों की पहचान की गई थी, इनमें फसलों की उत्पादकता में वृद्धि करना, पशुधन की उत्पादकता में वृद्धि करना, संसाधन के उपयोग में दक्षता हासिल करते हुए कृषि गतिविधियों की उत्पादन लागत में कमी करना, फसल की सघनता में वृद्धि करना, किसान को उच्च मूल्य वाली खेती के लिए प्रोत्साहित करना (खेती का वीविधीकरण), किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाना एवं अधिशेष श्रमबल को कृषि क्षेत्र से हटाकर गैर कृषि क्षेत्र के पेशों में लगाना आदि शामिल हैं। इनके सकारात्मक परिणाम अब दिखाई देने लगे हैं एवं कई प्रदेशों में किसानों के जीवन स्तर में सुधार दिखाई दे रहा है, किसानों की खर्च करने की क्षमता बढ़ी है एवं कुल मिलाकर अब देश के किसानों का आत्मविश्वास बढ़ा है। वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीण इलाकों में किसानों के लिए पशुपालन की गतिविधि को एक अतिरिक्त स्रोत के रूप में बढ़ावा दिया गया है।

पिछले 9 वर्षो के दौरान केंद्र सरकार द्वारा कृषि के लिए बजट आबंटन में अभूतपूर्व वृद्धि की गई है। वर्ष 2015–16 में कृषि बजट के लिए 25,460 करोड़ रु पए का प्रावधान किया गया था, जो वर्ष 2022–23 में बढ़कर 138,551 करोड़ रु पए का हो गया है। वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री किसान योजना प्रारम्भ की गई थी। इसके अंतर्गत प्रतिवर्ष 6,000 की राशि, तीन समान किश्तों में, पात्र किसानों के बैंक खातों में सीधे ही केंद्र सरकार द्वारा जमा कर दी जाती है। देश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को भी सफलतापूर्वक लागू किया गया है। प्राकृतिक आपदा में फसल बर्बाद होने की स्थिति में बीमा कम्पनी द्वारा पीडिघ्त किसानों को हुए आर्थिक नुकसान की क्षतिपूर्ति की जाती है। इससे भारतीय किसानों का आत्म विश्वास बढ़ा है। कृषि क्षेत्र के लिए संस्थागत ऋण के लक्ष्य में अभूतपूर्व वृद्धि की गई है। पशु पालन और मत्स्य पालन के लिए प्रतिवर्ष 4 प्रतिशत ब्याज पर रियायती संस्थागत ऋण किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है। जिससे इन गतिविधियों में किसानों की लाभप्रदता बढ़ी है।

किसान क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से समस्त प्रधानमंत्री किसान योजना के लाभार्थियों को किसान क्रेडिट कार्ड योजना से जोड़ दिया गया है। विभिन्न उत्पादों का न्यूनतम समर्थन मूल्य उत्पादन लागत के डेढ़ गुने तक तय किया जा रहा है। भारत में जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है जिसके कारण कीटनाशक दवाओं एवं उर्वरकों का कम इस्तेमाल होने लगा है एवं इससे किसानों के लिए कृषि पदार्थों की उत्पादन लागत कम हो रही है।

इसी प्रकार, राष्ट्रीय कृषि मंडी (ई–नाम) की स्थापना भी केंद्र सरकार द्वारा की गई है। इससे किसानों को अपने उत्पाद बेचने के लिए बेहतर बाजार मिला है। कृषि उपज लाजिस्टिकिस में सुधार करते हुए किसान रेल की शुरु आत भी की गई है। इससे फल एवं सब्जी जैसे पदार्थों के नष्ट होने की आशंकाएं कम हो गई हैं। देश में कृषि और संबंध क्षेत्र में स्टार्ट अप ईको सिस्टम का निर्माण भी किया जा रहा है। उत्पादकता एवं उत्पादन बढ़ाने के स्थान पर अब किसान की आय बढ़ाने हेतु नीतियों का निर्माण किया जा रहा है। किसानों को श्प्रति बूंद अधिक फसलश् के सिद्धांत का पालन करते हुए, सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस संबंध में सूक्ष्म सिंचाई कोष का गठन भी किया गया है।

किसान उत्पादक संगठनों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है ताकि किसान अपनी फसलों को उचित दामों पर बाजार में बेच सकें एवं इस संदर्भ में बाजार में प्रतियोगी बन सकें। कृषि क्षेत्र के यंत्रीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि किसान इस मिट्टी में उसी फसल को उगाए जिसकी उत्पादकता अधिक होने की सम्भावना हो। भारत में विभिन्न कृषि उत्पादों के उत्पादन में अतुलनीय वृद्धि के चलते अब भारत के किसान विभिन्न कृषि उत्पादों का निर्यात भी करने लगे हैं। भारतीय कृषि उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार बढ़ रही मांग के चलते अब किसानों को इन उत्पादों के निर्यात से अच्छी आय होने लगी है। केंद्र सरकार ने कृषि उत्पादों के देश से निर्यात संबंधी नियमों को आसान किया है। केंद्र सरकार के इन उपायों से वृद्धि हुई है और किसानों की आय में पर्याप्त सुधार हो रहा है। आगे भी इस तरह के प्रयास जारी रहने से खेती–किसानी की हालत सुधरेगी।

नशे की समस्या से मुक्तिआवश्यक, महत्वपूर्ण है समाज की भूमिका

बंडारू दत्तात्रेय

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी को रोकने के लिए प्रत्येक वर्ष 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस मनाया जाता हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में 1989 से इसे मनाने का निर्णय लिया था। इसका उद्देश्य लोगों को नशे की बुरी आदत से छुटकारा दिलाना तथा उन्हें नशे से होने वाले दुष्प्रभाव से बचाना है।मादक पदार्थों यानी नशे के सेवन की समस्या वैश्विक स्तर पर भयानक रूप से फैल चुकी है। इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस का विषय है– पीपुल फर्स्ट रू स्टाप स्टिग्मा एंड डिस्क्रिमिनेशन, स्ट्रेंथेन प्रिवेंशन (कलंक एवं भेदभाव रोकें, रोकथाम बढ़ाएं)। नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी को रोकने के लिए प्रत्येक वर्ष 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस मनाया जाता हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में 1989 से इसे मनाने का निर्णय लिया था। इसका उद्देश्य लोगों को नशे की बुरी आदत से छुटकारा दिलाना तथा उन्हें नशे से होने वाले दुष्प्रभाव से बचाना है।यह एक कटु सत्य है कि नशीले पदार्थों के सेवन से पीड़ित व्यक्ति को पारिवारिक एवं सामाजिक अलगाव और लोगों की उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। इससे निश्चित रूप से उन्हें मानसिक और शारीरिक कष्ट एवं आघात पहुंचता है। वे आवश्यक मदद से भी वंचित रह जाते हैं। इससे उनका और उनके परिवार का जीवन दयनीय और कठिन बन जाता है। इसलिए नशीली दवाओं की लत से छुटकारा दिलाने की नीतियों में एक जन–केंद्रित सोच की आवश्यकता है, जो मानव अधिकारों और करुणा पर लक्षित हो।मादक पदार्थों की चपेट में आए पीड़ितों की सामाजिक और भावनात्मक उपचार के साथ मदद करना और इनकी अवैध तस्करी के बढ़ते जाल के बारे में प्रभावी कदम उठाना एक मुश्किल कार्य है। देश को नशे की समस्या से मुक्त कराने के लिए एक सामूहिक प्रयास और समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इस वर्ष का अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस मादक पदार्थों का उपयोग करने वालों एवं उनके परिवारों पर लगने वाले कलंक तथा भेदभाव के नकारात्मक प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित है। नशा करने वाले लोगों में एड्स और हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारियां आम बात हैं। इस दिवस का एक अन्य उद्देश्य लोगों को इसकी जानकारी देने और इन रोगों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों का विस्तार करना भी है। इसमें नशा करने वाले सभी लोगों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के विकारों, उपलब्ध उपचारों और सहायता के महत्व के बारे में शिक्षित करना भी शामिल है।नशे की समस्या की भयावहतारू यूएन ऑफिस ऑन ड्रग्स एंड क्राइम (यूएनओडीसी) की वर्ल्ड ड्रग रिपोर्ट–2022 के अनुसार वर्ष 2020 में दुनिया भर में 15–64 आयु वर्ग के लगभग 28.40 करोड़ लोग नशीली दवाओं का उपयोग कर रहे थे, जो पिछले दशक की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है।इस रिपोर्ट के अनुसार, युवा अधिक मादक दवाओं का उपयोग कर रहे हैं। कई देशों में इनका उपयोग पिछली पीढ़ी की तुलना में बढ़ गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार साल 2020 में दुनिया भर में 1.12 करोड़ लोग ड्रग्स के इंजेक्शन का उपयोग कर रहे थे। इनमें से आधे लोग हेपेटाइटिस सी से पीड़ित थे। 14 लाख एचआईवी से ग्रस्त थे। 12 लाख ऐसे थे, जो दोनों समस्याओं से पीड़ित थे। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि नशा एक गंभीर समस्या है, जो दुनिया भर में बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित करती है।वर्ष 2018 के दौरान नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर, गाजियाबाद द्वारा एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण आयोजित किया गया था। इससे भारत में मादक पदार्थों के उपयोग और रुझान के बारे में पता चला। इसके अनुसार, तब देश में 10 से 17 वर्ष की आयु के 6.06 प्रतिशत बच्चे और किशोर शराब, भांग, अफीम, इनहेलेंट, कोकीन और कई प्रकार के उत्तेजक एवं मतिभ्रम दवाओं के सेवन में लिप्त पाए गए थे। जबकि 18 से 75 वर्ष की आयु के वयस्कों में यह आंकड़ा 24.71 प्रतिशत था। देश में नशीली दवाओं के बढ़ते दुरुपयोग को रोकने और लोगों को नशे की गंभीर समस्या से बाहर निकालने की हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि प्रत्येक हितधारक इस संबंध में किए जा रहे सरकारी प्रयासों में सहयोग करे तो इस समस्या से मुकाबला करना आसान हो जाएगा।नशे के खिलाफ अभियानरू नशे की समस्या से लड़ने के लिए केंद्र सरकार ने नशीली दवाओं की मांग में कमी के लिए एक योजना लागू की है, जिसके अंतर्गत लोगों को जरूरी शिक्षा देने, जागरूकता बढ़ाने, क्षमता निर्माण करने, कौशल विकास के लिए राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसी तरह 15 अगस्त, 2020 को नशा मुक्त भारत अभियान शुरू किया गया। इस अभियान में भारत के 272 जिलों को शामिल किया गया जिनमें 10 जिले हरियाणा के हैं। इसके तहत महिलाओं, बच्चों, शैक्षणिक संस्थानों, नागरिक संगठनों आदि जैसे हितधारकों की भागीदारी पर विशेष जोर दिया जाता है।

देखा जाए तो मादक पदार्थों के दुरुपयोग से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से यही सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। इस अभियान के तहत अब तक जमीनी स्तर पर की गई विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से 12 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंचा जा चुका है। इसके अलावा चार हजार से अधिक युवा मंडल, नेहरू युवा केंद्र और एनएसएस स्वयंसेवक भी इस अभियान से जुड़े हुए हैं। एक बड़े समुदाय तक पहुंचने में आंगनबाड़ी केंद्रों, आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम, महिला मंडलों और महिला स्व–सहायता समूहों की दो करोड़ से अधिक महिलाओं का योगदान भी महत्वपूर्ण रहा है। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत देश भर में अब तक 1.19 लाख से अधिक शैक्षणिक संस्थानों ने छात्रों एवं युवाओं को मादक द्रव्यों के सेवन से पैदा होने वाली समस्याओं के बारे में शिक्षित करने के लिए गतिविधियां आयोजित की हैं। मादक पदार्थों की लत को जड़ से समाप्त करने के लिए स्वापक औषधि एवं मनरू प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 (1985 का केंद्रीय अधिनियम–61) के अंतर्गत नियम अधिसूचित किए गए हैं।फिलहाल स्वास्थ्य विभाग, भारतीय रेड क्रास सोसायटी की प्रदेश एवं जिला स्तरीय संस्थाएं, राज्य बाल परिषद की संस्थाएं एवं स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा नशामुक्ति केंद्रों का संचालन किया जा रहा है। मेडिकल कालेजों में स्थापित नशा मुक्ति एवं परामर्श केंद्रों के माध्यम से भी इस बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। इसके अलावा मादक पदार्थों के दुरुपयोग की रोकथाम के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वालों को पुरस्कार भी दिया जाता है।साफ है देश में नशेखोरी की समस्या से निपटने और पीड़ितों के पुनर्वास के लिए बहुत कुछ किया जा रहा है। हालांकि इतने भर से हमें आत्मसंतुष्ट नहीं हो जाना चाहिए। लोगों को मादक पदार्थों के सेवन से रोकने और उन्हें बचाने के लिए सभी हितधारकों को और अधिक प्रेरित करने की आवश्यकता है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को अवैध दवा आपूर्ति शृंखला, मादक द्रव्य आपूर्तिकर्ताओं के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए।विशेष रूप से बड़े शहरों और सीमाई क्षेत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में एक प्रभावी निगरानी तंत्र खड़ा करने के लिए पुलिस बलों सहित केंद्र और राज्य सरकारों की सभी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय महत्वपूर्ण साबित होगा।

अक्सर हम संपन्न, संभ्रांत और मध्यम वर्ग के परिवारों के बच्चों को पब में प्रतिबंधित पदार्थों का सेवन करते हुए पकड़े जाने के बारे में पढ़ते और सुनते हैं। इसके लिए लाइसेंसिंग की प्रक्रिया को सख्त किया जाना चाहिए। ऐसी संस्थाओं के लाइसेंस रद करने में भी तेजी लाई जानी चाहिए।

एक कल्याणकारी राज्य की जिम्मेदारी होती है कि वह अपने नागरिकों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखे। एक स्वस्थ एवं समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के लिए उसके नागरिकों का स्वस्थ होना आवश्यक है, लेकिन यह तभी संभव है जब राज्य अपने नागरिकों को उचित स्वास्थ्य उपलब्ध कराने के लिए नशे की समस्या पर लगाम कसेगा। यह किसी से छिपा नहीं है कि बिगड़ते स्वास्थ्य के लिए एक बड़ी हद तक मादक पदार्थों का सेवन जिम्मेदार है जिससे देश में हर वर्ष लाखों लोगों की मौत हो रही है।नशे की समस्या की रोकथाम में समाज एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। समाज को आगे आकर मादक पदार्थों और इनके आपूर्तिकर्ताओं का बहिष्कार करना चाहिए। इसके लिए एक सामाजिक तंत्र विकसित किया जाना चाहिए। माता–पिता और अभिभावकों को भी सलाह दी जानी चाहिए कि वे अपने बच्चों और युवाओं के साथ कैसे व्यवहार करें और उन्हें नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरे से दूर रखने के लिए क्या उपाय करें। मादक पदार्थों के उपयोग के खिलाफ लड़ाई में मजबूत पारिवारिक मूल्य शक्तिशाली अस्त्र साबित हो सकते हैं।इसी तरह हमें मादक पदार्थों के सेवन और उनके दुष्परिणामों के बारे में लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए व्यापक डिजिटल सामग्री का भी विकास करना चाहिए। हम पाठ्यपुस्तकों और फिल्मों के माध्यम से भी युवाओं और वयस्कों को नशीली दवाओं के जाल में पड़ने के विरुद्ध जागरूक कर सकते हैं। मादक पदार्थों का सेवन रोकने के साथ–साथ हमें इसके पीड़ितों के पुनर्वास के लिए भी एक संपूर्ण दृष्टिकोण अपनाना होगा। उन्हें सामाजिक रूप से अलग–थलग करने के बजाय हमें उनके प्रति सहानुभूति रखनी चाहिए और उनकी मदद करनी चाहिए, ताकि वे अपनी गलतियों का अहसास कर सकें और सामान्य जीवन में लौट सकें। स्वस्थ, समृद्ध और शांतिपूर्ण भविष्य के लिए नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरे को समाप्त करने का यह सही समय है।अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस मनाना केवल तभी सार्थक हो सकता है जब एक जागरूक समाज के रूप में हम सब एक साथ मिल कर इस बुराई के विरुद्ध सामूहिक प्रयास करें।

सचिवालय संघ के चुनाव के लिए मंगलवार को प्रत्याशियों ने नामांकन किया

पहले दिन अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, ऑडिटर और कार्यकारिणी सदस्य

के लिए 51 नामांकन हुए। बुधवार को भी सुबह 11 से दोपहर तीन बजे तक नामांकन दाखिल किया जा सकता है। भीषण गर्मी के बावजूद सचिवालय अधिकारियों–कर्मचारियों का जोश कम नहीं हुआ। वह समर्थकों के साथ पहुंचे और नामांकन किया। हालांकि नामांकन राशि ज्यादा होने को लेकर कर्मचारियों में थोड़ी नाराजगी भी दिखी। निर्वाचन अधिकारी व विशेष सचिव बृज भूषण दुबे ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए अर्जुन देव भारती, मुकेश प्रधान,

मनोज कुमार प्रजापति, अरुण कुमार श्रीवास्तव व चित्रगुप्त ने नामांकन किया है। इसी तरह उपाध्यक्ष पद के लिए संजीव कुमार सिन्हा, विजय कुमार शुक्ला, याशमीन अफसर, अखिलेश कुमार श्रीवास्तव, राजमन राम, अंजनी गुप्ता, सुनीता द्विवेदी व जितेंद्र कुमार यादव ने नामांकन दाखिल किया। ऑडिटर पद के राकेश यादव, विनोद कुमार, अंतरिक्ष कुमार तिवारी व अरविंद कुमार ने नामांकन किया। वहीं, कार्यकारिणी सदस्य के लिए सुरेंद्र शर्मा, मनीष गुप्ता , तनुजा श्रीवास्तव, शशांक पांडे , शरद यादव अवनीश चौधरी एवं मयंक मणि मिश्रा सहित कुल 34 कर्मचारियों ने नामांकन किया है ।निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि बुधवार शाम पांच बजे नामांकन पत्रों की जांच कर वैध उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर कसा शिकंजा

–1–गैर मान्यता स्कूलों ने लगाया सीबीएसई का वोर्ड,जारी हुआ नोटिस

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्राइवेट स्कूलों की मनमानी एवं गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों द्वारा सीबीएसई मान्यता का बोर्ड लगा कर अभिवावकों को भ्रमित किए जाने के संदर्भ में खंड शिक्षा अधिकारी महराजगंज ने सभी विद्यालयो को नोटिस जारी किया है महराजगंज क्षेत्र के आजाद कन्वेंट स्कूल बहोरिकपुर, सत्यम शिवम कन्वेंट स्कूल सराय पडरी के निरीक्षण के पश्चात खंड शिक्षा अधिकारी अमरेश कुमार सिंह ने बताया इन विद्यालयों के गेट पर सीबीएसई द्वारा मान्यता की बात लिखी गई है ।लेकिन मांगने पर प्रबंधन एवं स्टाफ द्वारा मान्यता की कॉपी नहीं प्रस्तुत की गई ।ऐसे में इन विद्यालयों को नोटिस जारी की गई है कि वे मान्यता की प्रति एवं अग्निशमन विभाग एवं राजस्व विभाग द्वारा निर्गत अनापत्ति प्रमाण पत्र 7 जुलाई तक नहीं प्रस्तुत करते हैं तो उनके विरुद्ध जुर्माना लगाने के साथ प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। वहीं प्राइवेट स्कूलों द्वारा मनमानी फीस वसूली, मंहगी किताबें, ड्रेस, एवं अयोग्य अध्यापकों द्वारा अध्यापन कार्य पर अंकुश लगाने के लिए सभी प्राइवेट स्कूलों को नोटिस जारी कर 7 जुलाई तक यू डायस प्लस की रिपोर्ट,मान्यता की कॉपी,कार्यरत शिक्षकों की योग्यता अभिलेख,आईटी एक्ट के तहत विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों की संख्या की रिपोर्ट मांगी गई है। यदि विद्यालय समय से रिपोर्ट नहीं जमा करेंगे तो उनके विरुद्ध जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में प्राइवेट स्कूल प्रबंधकों में हड़कंप मच गया है।

टैंकर की चपेट में आने से कोचिंग से घर लौट रहे छात्र की मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के सुल्तानपुर गाँव के पास फोरलेन पर लखनऊ से जौनपुर की ओर जा रहे टैंकर की चपेट में आने से कोचिंग से घर वापस जा रहे छात्र की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना मंगलवार सुबह की है। जिले के तेजी बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम शेखपुर निवासी करन निषाद 24 वर्ष रोज की भांति अपने रेंजर साइकिल से बदलापुर कोचिंग जाता था। कोचिंग से वापस घर जा रहा था कि जैसे ही वह सुल्तानपुर गाँव के पास विद्वावती रिसार्ट के सामने पहुंचा ही था कि पीछे से आ रहे टैंकर की चपेट में आने से उसकी मौत हो गयी। घटना के दौरान मौके पर भारी भीड़ जमा हो गयी। भीड़ के कारण तकरीबन आधा घंटा तक फोरलेन पर आवागमन बाधित रहा। प्रभारी निरीक्षक अवनीश राय ने मय हमराही सिपाहियों के साथ मौके पर पहुँच कर टैंकर तथा चालक को हिरासत में ले लिया है। मृतक करन माँ बाप का इकलौता पुत्र है। पिता अमरदेव तथा मां आशा देवी का रो रो कर बुरा हाल है।

डायट पर भारत साक्षरता प्रशिक्षण का आज से शुभारंभ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान जौनपुर में आज से नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का प्रशिक्षण जिला बेसिक के सभागार में उप शिक्षा निदेशक ध्प्राचार्य डॉ० राकेश सिंह ,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ० गोरखनाथ पटेल एवं वरिष्ठ प्रवक्ता मनीष कुमार सिंह के कर कमलों से दीप प्रज्ज्वलन एवं माँ सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। यह प्रशिक्षण भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के राष्टीय साक्षरता केंद्र एवं राज्य साक्षरता केंद्र । राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण के निर्देश के क्रम में दो दिवसीय ब्लाक स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया ।जिसमें प्रत्येक ब्लाक से दो शिक्षक प्रतिभाग किए । जिला संदर्भदाता अखिलेश कुमार मौर्य (प्रवक्ता) एवं श्रीमती किरन त्रिपाठी (प्रवक्ता) द्वारा नव भारत साक्षरता कार्यक्रम से परिचित कराया गया । वरिष्ठ प्रवक्ता मनीष कुमार सिंह द्वारा अपने सम्बोधन में कहा कि आने वाले चुनौतियों से निपटने के लिए 2030 तक सभी का साक्षर होना जरुरी हैं , इसी क्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ० गोरखनाथ पटेल ने कहा कि नव भारत साक्षरता कार्यक्रम

भारत सरकार का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम हैं, जिले को साक्षर करने में सभी शिक्षकों एवं स्वंयसेवी शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी, इसी क्रम में उप शिक्षा निदेशक ध्प्राचार्य डॉ० राकेश सिंह ने सभी नामित ब्लाक स्तरीय मास्टर ट्रेनर को प्रेरित कहा कि नव भारत साक्षरता कार्यक्रम नई शिक्षा नीति के तहत भारत सरकार द्वारा वृहद् कार्यक्रम हैं इसके तहत जौनपुर जिले को प्रदेश में सबसे पहले असाक्षर को चिन्हाकित करते हुए स्वंयसेवी शिक्षकों के माध्यम से साक्षर बनाना हैं । इस अवसर पर सभी डायट प्रवक्ता डी०सी०सामुदायिक सत्येन्द्र कुमार गुप्ता एवं ह्युमाना से ब्रजबन्धु एवं अनुराग सिंह(तकनीकी सहयोग) का सराहनीय योगदान रहा

डायट जौनपुर में गिरीश चन्द यादव ने बहुउद्देशीय क्रीड़ा भवन के लिए भूमि का किया निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान जौनपुर के उप शिक्षा निदेशकध्प्राचार्य डॉ. राकेश सिंह के अनुरोध पर गिरीश चन्द यादव

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग उ प्र सरकार द्वारा डायट के प्रशिक्षुओं हेतु बहुमंजिला–बहुउद्देशीय क्रीड़ा हॉल दिया गया है स जिसके लिए चिन्हित भूमि का स्वयंमंत्री जी द्वारा औचक स्थलीय निरीक्षण किया गया तथा यथाशीघ्र कार्य को प्रारम्भ करनें व कार्य को ससमय पूर्ण करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने हेतु दिशा निर्देश प्रदान किया गया । इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी द्वारा चिन्हित भूमि का माप लिया गया सइस माप में 490 वर्ग मीटर की जमीन निर्माण के लिए उपयुक्त पाई गई। गौरतलब है कि इस बहुमंजिला–बहुउद्देशीय क्रीड़ा हाल में विभिन्न खेलों के लिए कोर्ट का निर्माण कराया जाएगा ।माननीय मंत्री जी द्वारा प्रशिक्षुओ के हॉस्टल का भी निरीक्षण किया एवं हॉस्टल की मरम्मत के लिए स्वीकृति प्रदान करने हेतु डी सी सिविल से एस्टीमेट के साथ मांगपत्र भेजने के निर्देश दिए । मंत्री ने इस अवसर पर कक्षाओं का भी अवलोकन किया। सभी कक्षाओं में पठन–पाठन ,पुस्तकालय, सुसज्जित कक्ष एवं डायट के सम्पूर्ण कायाकल्प को देखकर माननीय मंत्री जी ने डायट के उपशिक्षानिदेशकध्प्राचार्य राकेश सिंह एवं वरिष्ठ प्रवक्ता मनीष कुमार सिंह की भूरि–2 प्रशंसा की । इस अवसर पर डायट के वरिष्ठ प्रवक्ता मनीष कुमार सिंह ,प्रभारी वरिष्ठ प्रवक्ता डा आर एन यादव ,समस्त डायट प्रवक्ता एवं समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे ।

वाणिज्य बन्धु की बैठक अब्दुल कलाम सभागार जिलाधिकारी कार्यालय कैसरबाग में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। वाणिज्य बन्धु की बैठक अब्दुल कलाम सभागार जिलाधिकारी कार्यालय कैसरबाग में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

लखनऊ व्यापार मंडल का प्रतिनिधित्व अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने किया। अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने बताया कि जीएसटी रिटर्न से संबंधित समस्या को रखा जिसमें व्यापारियों को दी जा रही नोटिस का भी जिक्र किया. और बताया कि सभी विभागों की समस्याओं का एक ज्ञापन भी सौंपा गया वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा ने बताया कि बदमाश बेखघैफ शहर में घूम रहें है कोई न कोई व्यापारी शिकार होता रहता है। कोषाध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता ने बताया कि भूतनाथ बाजार में अतिक्रमण लगने लगा है जब तक अतिक्रमण पर निगरानी कमेटी नहीं बनाई जाएगी तब तक अतिक्रमण हटाने से कोई फायदा नहीं मिलेगा नगर निगम के द्वारा एक पोर्टल बनाया जाए जिस पर आम आदमी अतिक्रमण की फोटो अपलोड कर सके.महामंत्री अनुराग मिश्र ने बताया कि चौक सर्राफा बाजार खुन खुन जी रोड इत्यादि चौक क्षेत्र में स्मार्ट सिटी के तहत कराए गये कार्य को 6माह से अधिक बीत चुके है परन्तु खुदी हुई सड़क अभी भी ठीक नहीं करायी गयी है जो की व्यापार को प्रभावित करने के साथ साथ के बड़े हादसे का भी कोई सीकर हो सकता है। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के सदस्य एवं लखनऊ व्यापार मंडल के महामंत्री उमेश शर्मा ने बताया की मीना बेकरी के पास शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है जिससे आने वाले ग्राहक को काफी दिक्कध्तों को सामना करना पड़ता है छिनैती की घटना होती रहती है ।उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के सदस्य एवं लखनऊ व्यापार मंडल के महामंत्री जितेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि अमीनाबाद के पटरी दुकानदरो को कहीं भी अभी विस्थापित नहीं किया गया है। सभी चौराहों पर लगी लाइटों को सही कराया जाए ताकि जाम से निजात मिल सके ।बैठक में मुख्य रूप से बैठक में मुख्य रूप से लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा कोषा अध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नामित सदस्य के रूप में जितेंद्र सिंह चौहान अनुराग मिश्रा उमेश शर्मा उपस्थित रहे।

महिलाओं का सम्मान स्वाभिमान का ध्यान सिर्फ समाजवादी पार्टी ने दिया है : रीबू श्रीवास्तव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर जिला समाजवादी

महिला सभा की समीक्षा बैठक की मुख्य अतिथि समाजवादी महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रिबू श्रीवास्तव ने बैठक को संम्बोधित करते हुए कहा महिलाओं का सम्मान स्वाभिमान का कोई ध्यान दिया है तो सिर्फ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने समाजवादी सरकार में महिला अपने आप को सुरक्षित समझती थी लेकिन वहीं भाजपा सरकार ने महिलाओं को हर तरह से प्रताड़ित अपमानित करने का काम किया है भाजपा सरकार मे महिला डरीं सहमी है आज जहाँ देश मे आधी आबादी महिलाओं की है लेकिन अपनी अधिकार की लडाई नहीं लड़ पा रही हैं । महिलाएं घर का किचन समेत सारा खर्च देखती हैं वहीं आप देख सकती हैं कि गैस सिलेंडर से लेकर राशन तक कितना मंहगा हो गया है लेकिन भाजपा सरकार इसका कोई ध्यान नहीं दें रही है ।समाजवादी सरकार मे जहां महिलाओं को वीमेन पावर लाइन 1090 जैसे सुरक्षा प्रदान किया घरेलू समान सब कम दामों में मिला करते थे आज उत्तर प्रदेश मे महिलाओं का सबसे ज्यादा बल्तकार के केस देखें जा रहे हैं । भाजपा सरकार बलात्कारियों को सजा ना देके उनका संरक्षण कर रही है आज समय आ गया हैं कि महिलाओं को अपने अपमान का बदला लेने का 2024 के लोकसभा चुनाव मे महिलाओं को अपने ताकत का अहसास भाजपा सरकार को दिखाने की जरूरत है अगर महिला एकजुट हो जाये तो निश्चित रूप से ये भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेंगी अखिलेश यादव एक ऐसे नेता हैं जो महिलाओं को सम्मान और सुरक्षा दे सकते हैं। सपा जिलाध्यक्ष डां अवधनाथ पाल ने कहा महिलाओं को अपनी ताकत स्वयं समझना होगा आप के ऊपर लगातार भाजपा सरकार में अत्याचार कर रहा है आप चूप है अब समय आ गया ष्भाजपा सरकार हटावों महिलाओं का सम्मान बचावोंष् महिलाओं के बीच जाकर सबको जागरूक किजिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता तारा त्रिपाठी संचालन सोनी सेठ ने किया। बैठक में मुख्य रूप डां सुमन यादव, नीलम सिंह, पूनम मौर्या, सोनी यादव, शबीना खान,शबनम नाज,शरताज बानो, रुबी बिन्द, शुशीला देवी,हरेश यादव,अनीता, सुषमा गौतम, रेनू कुमारी,निशू गौतम संगीता प्रजापति, लीलावती सरोज,सोनम सोनकर, निधि पाल,अमरावती निषाद निधि गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

छत्रपति शाहूजी महाराज भारत में एक अमूल्य मणि थे : मा0 कौशल किशोर

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

राजधानी। लखनऊ, केजीएमयू के कन्वेंशन हॉल में आरक्षण के जनक छत्रपति शाहू जी महाराज की 149 वीं जयंती मनाई गई। केंद्रीय राज्य मंत्री आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री कौशल किशोर जी ने केजीएमयू के गेट नंबर दो पर स्थित छत्रपति शाहू जी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया । उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि छत्रपति साहू जी महाराज भारत में एक सबसे प्रजातंत्रवादी और समाज सुधारक राजा थे। वे कोल्हापुर राज्य में मणि के रूप में आज भी प्रसिद्ध है ।छत्रपति शाहूजी महाराज ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने राजा होते हुए भी दलित और शोषित वर्ग के कष्ट को समझा और सदा उनसे निकटता बनाए रखी। उन्होंने दलित और पिछड़े वर्ग के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने की व्यवस्था प्रदान की थी । केंद्रीय राज्य मंत्री आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री कौशल किशोर ने समाज से नशा मुक्त होने की अपील की ।

समारोह में अपने विचार रखते हुए छत्रपति शाहू जी महाराज स्मृति मंच के अध्यक्ष रामचंद्र पटेल ने कहा कि छत्रपति साहू जी महाराज ने नारी सम्मान में व्याप्त अशिक्षा को समाप्त करने का पीड़ा उठाया। भारत के इतिहास में पहले राजा थे जिन्होंने सन 1917 को प्राथमिक शिक्षा को अनिवार्य एवं निशुल्क किया । पदघ्म श्री एस एन कुरील ने कहा कि दलित पिछड़े हितेषी कोल्हापुर नरेश ने 1921 मनमाड में दलितों की विशाल सभा में घोषणा करते हुए कहा था मुझे लगता है अंबेडकर के रूप में आपके मुक्तिदाता मिल गए है। प्रोफेसर सुरेश बाबू ने कहा की सन 1902 के मध्य में छत्रपति शाहूजी महाराज इंग्लैंड गए थे उन्होंने एक आदेश जारी कर कोल्हापुर के अंतर्गत शासन प्राशन में पिछड़ी जाति के लिए 50: सुनिश्चित किया। सभा को स्त्री एवं प्रसूति रोग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एस पी जैसवार,पूज्य भंते प्रज्ञा शील,भंते कृपाशंकर, डॉक्टर संतोष कुमार, डॉक्टर मनोज कुमार, सुशील कुमार विद्यार्थी आदि ने संबोधित किया ।इस अवसर पर पदघ्म श्री एस एन कुरील ने समाजसेवी चिकित्सकों और स्त्री एवं प्रसूति रोग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एस पी जैसवार ने समाज सेवी कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सभा का संचालन अनुसूचित जाति जनजाति चिकित्सा संघ के महामंत्री डॉ हरी राम ने किया ।

जिलाधिकारी ने उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल की मांग पर भूतनाथ मार्केट में सड़कों पर अवैध अतिक्रमण को बढ़ावा देने वालों की जांच करने के लिए क्षेत्रीय अपर नगर मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में जांच कमेटी गठित करने के निर्देश दिए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। कलेक्ट्रेट सभागार में वाणिज्य बंधु की बैठक का आयोजन

जिलाधिकारी लखनऊ की अध्यक्षता में हुआ। वाणिज्य बंधु की बैठक में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने जिलाधिकारी को भूतनाथ मार्केट में पुनरू दबंगों द्वारा सड़कों पर कब्जा कर अवैध अतिक्रमण की शिकायत की व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने जिलाधिकारी से बताया भूतनाथ मार्केट से नगर निगम द्वारा एक बार पूरा अतिक्रमण हटा दिया गया था लेकिन फिर कुछ सफेदपोश लोगों एवं अपराधिक तत्वों की मिलीभगत से पुनः भूतनाथ मार्केट में अवैध अतिक्रमण हो गया है व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने जिलाधिकारी से ऐसे समूह एवं तत्वों की जांच करने की मांग की जो सड़कों पर संगठित तरीके से कब्जा करने का कार्य कर रहे हैं व्यापारियों की मांग पर जिलाधिकारी ने बैठक में मौजूद डीसीपी हेड क्वार्टर को अपर नगर मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में जांच कमेटी बनाकर भूतनाथ मार्केट की सड़कों पर कब्जा करने वालों की जांच करने के निर्देश दिए।

बैठक में आदर्श व्यापार मंडल द्वारा इंदिरा नगर क्षेत्र में सीलिंग का विषय तथा अंडा व्यापारियों द्वारा अंडे के परिवहन हेतु शीत वाहन के अनिवार्यता का विषय भी प्रमुखता से उठाया गया। व्यापारियों ने ई–रिक्शा का शहर में सड़कों पर व्यवस्था का मुद्दा भी रखा जिसके संबंध में जिलाधिकारी ने ई रिक्शा के लिए प्रतिबंधित मार्गों पर सख्ती से ई रिक्शा प्रतिबंधित करने तथा कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद अफजल एवं प्रदेश उपाध्यक्ष अविनाश त्रिपाठी भी मौजूद रहे।

व्यापार मंडल ने भव्य शोभायात्रा का स्वागत किया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर उद्योग व्यापार मंडल ने अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल के नेतृत्व श्री गोसाई मंदिर महादेव

शक्ति धाम मंदिर के द्वारा निकाले गए 'भव्य शोभा यात्रा' का स्वागत गणेश प्लाइवुड कोतवाली चौराहे पर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन, नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल और कार्यक्रम संयोजक गणेश साहू द्वारा मां दुर्गा के प्रतिमा और भगवान शंकर के शिवलिंग पर माला पुष्प चढ़ाते हुए पूजन आरती के साथ किया, शोभायात्रा में सम्मिलित सभी श्रद्धालु भाई बहनों को शरबत, मिष्ठान और शुद्ध पेयजल के साथ स्वागत किया गया कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेश्वर केसरवानी, नगर महामंत्री मनोज कुमार साहू, मंत्री अरविंद कुमार जायसवाल, अनिल कुमार साहू, ओमजी सहाय, रत्नेश गुप्ता,नरसिंह जायसवाल, शिवम, मंटू , राज, सौभाग्य, अंतुल का विशेष सहयोग रहा, स्वागत करने के लिए जगदीशचंद्र गाढ़ा, मुन्नालाल अग्रहरि, विनोद कुमार साहू, राजा सुचंद्र, संतोष साहू,अनिल वर्मा, रामकुमार साहू, डीके अग्रहरी,नीरज शाह उपस्थित रहे !

बल्दीराय तहसील के डीह में बनेगा कैंसर अस्पताल सरकार के साथ 300 करोड़ के एमओयू पर किए हस्ताक्षर'

सुलतानपुर– मेडिकल हब के रूप में जिला विकसित होने की राह पर है। मेडिकल कालेज निर्माणाधीन है। वहीं,बिरसिंहपुर में आधुनिक सुविधाओं से युक्त 100 बेड का अस्पताल संचालित होने लगा है। अब कैंसर अस्पताल बनाने की तैयारी चल रही है। इसके लिए प्रशासन ने शासन के निर्देश पर 18 एकड़ भूमि चिह्नित कर ली है। बल्दीराय तहसील के डीह गांव में भूमि अस्पताल के लिए देने की रिपोर्ट प्रशासन तैयार कर रहा है। कैंसर अस्पताल के खुलने से मरीजों को महानगरों को नहीं जाना पड़ेगा। यहीं सारी सुविधाएं मिलेंगी। पड़ोसी जनपदों के भी मरीज इसका लाभ उठा सकेंगे ।मुख्य राजस्व अधिकारी शैलेन्द्र कुमार मिश्रा ने बताया कि शासन ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाली संस्था के लिए भूमि खोजने के लिए निर्देशित किया था। इसी क्रम में जिलाधिकारी जसजीत कौर के निर्देश पर भूमि की तलाश की जा रही थी। अब उसे चिन्हित किए जाने की रिपोर्ट शासन को प्रेषित की जाएगी। इसके बाद उच्चाधिकारियों से मिले निर्देश के अनुसार आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

अस्पताल का संचालन पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर किया जायेगा ।इसके लिए प्रदेश सरकार से 300 करोड़ का एमओयू साइन किया गया है। साइन करने वाली संस्था रमा रामजी प्राइवेट लिमिटेड है ।संस्था की निदेशक अलका सिंह ने बताया कि 100 बेड के अस्पताल के लिए करार किया गया है,लेकिन कोशिश हो रही है कि इसे 300 बेड का बनाया जाए।

इसके लिए सरकार से बातचीत चल रही है। बताया कि अस्पताल परिसर में ही नर्सिंग और बी–फार्मा कालेज का संचालन किया जाएगा। सभी आवश्यक कार्यवाही पूरी करने के बाद पीपीपी माडल पर होगा संचालन अक्टूबर में अस्पताल का निर्माण शुरू हो जायेगा।

रामनगरी में एक बार फिर सब्जी व राशन हुआ महंगा,गरीबों से दूर हो रही राम नगरी में भोजन की थाली

टमाटर पहुंचा अस्सी पार तो अरहर दाल का दाम डेढ़ सौ के ऊपर

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

रामनगरी में रहने वाले लोगों के अलावा यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं पर अब महंगाई की मार एक बार फिर दिखाई दे रही है ।भोजन की थाली से लेकर खाद्य सामग्री तक महंगी दर पर बिक रही है ।जो लोगों के पहुंच से दूर होती जा रही है ।अयोध्या धाम में मंदिर निर्माण के साथ बाहरी यात्रियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। अब यात्री महंगाई की मार भी सहन कर रहे हैं। बीते कुछ महीनों में चौड़ीकरण के चलते होटल एवं अस्थाई खाने पीने की दुकानें अस्त–व्यस्त हो गई । नया घाट क्षेत्र में कुछ खाने के होटल चल रहे हैं। यहां बड़ी संख्या में लोग खाना खाते हैं। इन होटलों में पहले सामान्य खाने की थाली 60 रूपये में उपलब्ध होती थी। अब वही बढ़कर 80 रुपये, तो कहीं 90 रूपये तक जा पहुंची है।

अच्छे गुणवत्ता वाले खाने का रेट 100, 120, 160 और 220 रुपये तक यात्रियों को देने पड़ रहे हैं। खाने के सामग्री की गुणवत्ता पहले जैसे ही है, परंतु उनके रेट जरूर बढ़ा दिये गये, जो यात्रियों के लिए भारी पड़ रहे हैं। होटल संचालकों का कहना है कि महंगाई काफी बढ़ गई और ऐसे में थाली का दाम बढ़ाना जरूरी हो गया था।दूसरी तरफ कई स्थानों पर समोसे के दाम भी बढ़ गए हैं। जो समोसे पहले 7 रूपसे में मिलते थे, वह 10 हुए और अब फिर कहीं–कहीं 12 रूपये लिए जा रहे हैं। अधिकांश खाने पीने की सामग्रियों के दामों में इजाफा देखा जा रहा है।बताया जा रहा है कि एक तरफ दुकानों की संख्या कम हो गई है, जिससे संचालक भी मनमाफिक रेट निर्धारित कर रहे हैं। दुकान और मार्ग टूट जाने का प्रभाव यात्रियों पर महंगे थाली के रूप में देखने को मिल रही है। हनुमानगढ़ी चौराहे के पास जो बैटरी चालक, पहले नयाघाट के लिए 10 रूपये किराया वसूलते थे, अब उन्होंने बढाकर 20 कर दिया है। इससे यात्रियों की जेब में ढीली हो रही । कहीं–कहीं तो उड़ रही धूल के बीच खाद्य सामग्रियों की बिक्री बिना किसी रोक–टोक के जारी है। एक तरफ बढ़ी कीमत तो दूसरी तरफ प्रदूषित सामग्री लेने को यात्री मजबूर हैं।अगर देखा जाए तो इधर दो दिनों से सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। इससे सामान्य लोगों का बजट गड़बड़ हो गया है। टमाटर 40 रूपये प्रति किलो था, अब 80 रूपये प्रति किलो की दर से बेचा जा रहा है। खीरा 30 रूपये के स्थान पर 60 रूपये प्रति किलो है। कम दाम की मूल्य वाली सब्जियां नहीं दूसरी तरफ कई स्थानों पर समोसे के दाम हैं।राशन की बात करें तो आटा, चावल और भी बढ़ गए हैं।

साइबर क्राइम ने पीड़ित को वापस कराया दस हजार रूपये

अयोध्या। साइबर क्राइम सेल की टीम ने पीड़ित के खाते में दस हजार रुपये वापस कराया। मालूम हो कि 22 जून को पीड़ित मंगली प्रसाद निवासी थाना खंडासा जनपद अयोध्या के द्वारा प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि उन्हें अपने किसी परिचित को 10 हजार रुपए भेजने थे।जो कि स्वयं की गलती से किसी अंजान व्यक्ति के खाते में वह पैसा चला गया। पीड़ित द्वारा अज्ञात व्यक्ति से संपर्क कर पैसे वापस करने को कहा एवं उसने वापसी के लिए कहकर आश्वासन दिया लेकिन बाद में वापसी से इंकार कर नंबर बन्द कर लिया। जिसके चलते पीड़ित ने एसएसपी के सामने अपनी बात रखी तो एसएसपी के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक साइबर क्राइम सेल मनबोध तिवारी ने उप निरीक्षक इशितयाक अहमद की मदद से पीड़ित के खाते में कुल दस हजार रुपये वापस कराया।

रामायण-कुरान जैसे धार्मिक ग्रंथों को तो बख्श दीजिए

संवाददाता

लखनऊ। याची ने दो अक्तूबर, 2022 को फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने पर उसमें कई आपत्तिजनक तथ्य होने की बात कहते हुए ट्रेलर व फिल्म दोनों पर प्रतिबंध लगाने की याचिका दाखिल की थी। कोर्ट ने सेंसर बोर्ड को नोटिस जारी किया था। पर बोर्ड ने जवाब नहीं दिया।फिल्म आदिपुरुष में श्रीराम कथा को बदलकर निम्नस्तरीय दिखाने के आरोपों के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सख्त रुख अपनाया है। सुनवाई के दौरान सोमवार को कोर्ट ने पूछा फिल्म सेंसर बोर्ड क्या दिखाना चाहता है? क्या वह अपनी जिम्मेदारियों को नहीं समझता है? कोर्ट ने फिल्म निर्माताओं से कहा कि सिर्फ रामायण ही नहीं बल्कि पवित्र कुरान, गुरु ग्रंथ साहिब और गीता जैसे धार्मिक ग्रंथों को तो कम से कम बख्श दीजिए। बाकी जो करते हैं, वो तो कर ही रहे हैं।कोर्ट ने फिल्म के निर्माता, निर्देशक सहित अन्य प्रतिवादियों की कोर्ट में अनुपस्थिति पर भी कड़ा रुख अपनाया और सेंसर बोर्ड से मंगलवार को मामले में जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति श्रीप्रकाश सिंह की ग्रीष्मावकाश खंडपीठ ने यह आदेश एक जनहित याचिका पर दिया। याची ने फिल्म में रावण द्वारा चमगादड़ को मांस खिलाने, काले रंग की लंका, चमगादड़ को रावण का वाहन बताने, सुषेन वैद्य की जगह विभीषण की पत्नी को लक्ष्मण को संजीवनी बूटी देने, आपत्तिजनक संवाद व अन्य तथ्यों को कोर्ट में रखा है।याची ने मामले में फिल्म के संवाद लेखक मनोज मुंतशिर को भी पक्षकार बनाने का आग्रह किया है। यह भी कहा कि आपत्तिजनक सामग्री और सनातन आस्था के साथ जानबूझकर किए गए प्रहार को रोकते हुए फिल्म पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए जाएं। कोर्ट ने मुंतशिर को पक्षकार बनाने की अर्जी पर सुनवाई के लिए 27 जून की तारीख तय की है।याची ने दो अक्तूबर, 2022 को फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने पर उसमें कई आपत्तिजनक तथ्य होने की बात कहते हुए ट्रेलर व फिल्म दोनों पर प्रतिबंध लगाने की याचिका दाखिल की थी। कोर्ट ने सेंसर बोर्ड को नोटिस जारी किया था। पर बोर्ड ने जवाब नहीं दिया। फिल्म निर्माता ने इसकी रिलीज तारीख को छह महीने के लिए यह कहकर टाल दिया कि हम सुधार करेंगे। फिल्म आने पर पता चला कि इसमें आपत्तिजनक सामग्री मौजूद है।

अगस्त-सितंबर में फिर बढ़ेगी जनता की मुश्किल

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में बिजली की खपत लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2017–18 में अधिकतम खपत 18061 मेगावाट एवं न्यूनतम 6030 मेगावाट रही। इस वर्ष जून में न्यूनतम खपत 18701 मेगावाट पहुंच गई, जबकि अधिकतम 27611 मेगावाट रही।उत्तर प्रदेश में बारिश होने के बाद बिजली की खपत में करीब चार हजार मेगावाट की गिरावट हुई है। फिर भी लोकल फाल्ट मुसीबत बनी है। लखनऊ सहित विभिन्न जिला मुख्यालयों पर रात में बार– बार बिजली की आवाजाही बनी हुई है। इससे उपभोक्ता परेशान हैं। दूसरी तरफ अगस्त– सितंबर माह में फिर खपत बढ़ने की उम्मीद है। इसे लेकर पावर कॉरपोरेशन अभी से रणनीति बनाने में जुटा है।प्रदेश में जून माह में अधिकतम खपत 27611 मेगावाट पहुंच गई थी। 22 जून के बाद इसमें लगातार गिरावट हो रही है। सोमवार को यह 23500 मेगावाट के करीब रही। बिजली खपत कम होने के बाद भी अभी उपभोक्ताओं को राहत नहीं मिली है। विभिन्न क्षेत्रों में लोकल फाल्ट की वजह से 15 से 30 मिनट तक बिजली जाने का सिलसिला बना हुआ है। दूसरी तरफ विभागीय जानकारों का कहना है कि अगस्त– सितंबर माह में एक बार फिर बिजली खपत का ग्राफ बढ़ेगा। वर्ष 21–22 में 28 जुलाई को अधिकतम खपत 24798 मेगावाट रह चुकी है, जबकि वर्ष 2022–23 में नौ सितंबर को अधिकतम खपत 26589 मेगावाट पहुंची थी। ऐसे में अगस्त से सितंबर माह में बिजली खपत करीब 29 हजार मेगावाट पहुंचने का अनुमान है। इसी लिहाज से बिजली व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए गए हैं। पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष एम देवराज ने सभी वितरण एवं ट्रांसमिशन अधिकारियों को अभी से रणनीति बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने 11 केवी व 33 केवी की लाइनों के पिन तथा डिस्क इन्सुलेटर को दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। जहां भी तार के आसपास पेड़ की टहनियां हैं, उन्हें कटवाने, बारिश में उपकेंद्र में नमी होने पर उसे दूर करने के लिए हीटर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में कॉरपोरेशन अध्यक्ष ने सभी प्रबंध निदेशकों को गाइडलाइन भी जारी कर दिया है।प्रदेश में बिजली की खपत लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2017–18 में अधिकतम खपत 18061 मेगावाट एवं न्यूनतम 6030 मेगावाट रही। इस वर्ष जून में न्यूनतम खपत 18701 मेगावाट पहुंच गई, जबकि अधिकतम 27611 मेगावाट रही। इस तरह देखा जाए तो पांच साल पहले बिजली खपत जितनी अधिकतम थी, वह अब न्यूनतम रह गई है, लेकिन संसाधनों का विकास उसी अनुपात में नहीं किया गया है। यही वजह है कि बिजली की पर्याप्त व्यवस्था होने के बाद भी उपभोक्ताओं को लोकल फाल्ट की वजह से बिजली नहीं मिल पा रही है।

30 जून संत श्रीपाल जयंती पर विशेष

आध्यात्मिक जगत के उच्च प्रतिमान ब्रह्मलीन संत श्रीपाल का जीवन हम सभी के लिए उच्च आदर्श है

हरदोई। संत श्रीपाल ने अपने विलक्षण व्यक्तित्व और कृतित्व से सम्पूर्ण समाज को ध्यान और भजन से जोड़ा।

संत श्रीपाल (1942–2021) धर्म अध्यात्म के चिन्तक तथा शिव सत्संग मण्डल आश्रम के संस्थापक थे। साधकों एवं सत्संगी जनों ने बताया कि 30 जून 1942 को उनका जन्म ग्राम हड़हा मलिकापुर में हुआ था। उनके बचपन का नाम ' सेठ ' था। आरंभ से ही धर्म अध्यात्म में रुचि होने के कारण, उन्होंने वेदों, शास्त्रों और उपनिषदों के प्रचार के लिए उत्तर प्रदेश के जनपद हरदोई के राजस्व ग्राम हुसेनापुर धौकल में सन 1993 में शिव सत्संग मण्डल आश्रम की स्थापना की। उनका प्रभाव हम इक्कीसवीं सदी में भी महसूस कर रहे हैं और उनसे प्रेरणा पाकर उन सामाजिक कुरीतियों, धार्मिक, अंधविश्वासों से लोहा ले रहे हैं जो दीमक बनकर समाज व धर्म को भीतर ही भीतर खोखला कर रहे हैं। सामाजिक, धार्मिक, शैक्षिक, आर्थिक, राजनीतिक, दार्शनिक और आध्यात्मिक जगत की व्याधियों, दुर्बलताओं और त्रुटियों का अध्ययन उन्होंने किया। संत श्रीपाल का चिंतन मूलतरू वेद,उपनिषद एवं शास्त्रों पर आधारित था, जो अपने उद्भव काल से ही चिरंतन और शाश्वत समझे जाते रहे हैं। जीवन के सत्य, सत्संग,सुमिरन व परमात्मा को पाने के लक्ष्य को संत एवं सत्संग परंपरा से ही पाया जा सकता है।संत श्रीपाल का जीवन दर्शन हर मानव को दिशा–बोध प्रदान करता रहेगा और वह प्रासंगिक बने रहेंगे।यह ठीक है कि समकालीन समस्याओं से भी उन्हें संघर्ष करना पड़ा। वह मानवतावादी, धर्म संस्कृति के उद्गाता, शांति के नायक, सांप्रदायिक, सद्भावना के उन्नायक, और अन्याय, अज्ञान, अभाव और शोषण के विरुद्ध संघर्षरत रहने वाले योद्धा सन्यासी थे। ध्यान दें तो हमें पता चलता है कि उनका संघर्ष समाज में व्याप्त अंधविश्वासों एवं सामाजिक कुरीतियां से था।ईश्वर एक है,यह पूरा विश्व मानता है। परंतु समय समय पर जीवन में आने जाने वाले उतार चढ़ाव से सामान्य जन प्रभावित होते रहे हैं।इन्हीं कारणों से चतुर लोगों ने अनेक पूजा पद्धतियों की मन गढंत रचना रच दी। संत श्रीपाल का स्पष्ट मानना था कि शिवत्व की प्राप्ति से ही अमरत्व की प्राप्ति की जा सकती है। शिवोपासना से मुक्ति और मोक्ष पाया जा सकता है। वह स्वामी दयानंद द्वारा रचित 'सत्यार्थ प्रकाश' से बहुत प्रभावित थे।इसीलिए सत्संगी जनों को हर घर तक' सत्यार्थ प्रकाश ' पहुंचाने की सलाह देते थे। सत्यार्थप्रकाश ने अंधविश्वास, कुरीतियों, मूर्तिपूजा, अवतारवाद, बहुदेववाद, अंधश्रद्धा, तीर्थाटन पर जो जमकर प्रहार किया। उन्होंने अपनी परंपरा ,धार्मिक आदर्शों के प्रति आस्था और संस्कृति के प्रति विश्वास जगाया।साथ ही शाकाहार का पक्ष मजबूत करते हुए शाकाहार को जीवन का आधार बताया। जीव हत्या को महापाप बताते हुए, मांस मदिरा सेवन को प्रतिबंधित किया। उन्होंने भारतीय जीवन मूल्यों के प्रति सत्संगी जनों को, राष्ट्र की मिट्टी की परंपरा व भारतीय संस्कृति से जोड़कर उन्हें भारतीय आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़कर सशक्त किया।उनके द्वारा श्याम पट लगाकर सत्संग करने की उत्कृष्ट परम्परा आज भी सुदूर क्षेत्रों में प्रचलित है। माघ पूर्णिमा वर्ष 2021 को वह अंतर्ध्यान हो गए। वह कहते थे कि आत्म ज्ञान,ज्ञान बाकी सब अज्ञान। इसलिए आत्म चिन्तन कर आत्मनिष्ठ,एक निष्ठ बनें।इस अनमोल जीवन का समग्र कल्याण परमेश्वर से अपनी जीवन धारा को जोड़कर ही किया जा सकता है। शांतिमय, खुशहाल जीवन के लिए ध्यान और भजन इस आध्त्यात्मिक चेतना के मूल स्रोत हैं। आध्यात्मिक जगत् के उच्च प्रतिमान, सनातन संस्कृति एवं संस्कारों के सबल संपोषक, आर्ष विद्या के प्रबल उन्नायक ब्रह्मलीन संत श्रीपाल का सम्पूर्ण जीवन हम सभी के लिए एक उच्च आदर्श है। उन्होंने अपनी आध्यात्मिक आभा से समाज एवं राष्ट्र निर्माण के स्वर को ऊँचाई प्रदान की। भारत की आध्यात्मिक संवेदनाओं की अभिरक्षा के अतिरिक्त राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता एवं समन्वयवादी पूज्य संत का दिव्य चरित्र, विलक्षण दार्शनिकता और आचरण की अनुपम प्रेरक पारदर्शिता सम्पूर्ण समाज के लिए सत्प्रेरणा सिद्ध हुई है । सुप्रसिद्ध "शिव सत्संग मण्डल आश्रम" के संस्थापक ब्रह्मलीन सन्त श्रीपाल जी महाराज की 82 वीं जयंती पर उनकी मोक्षदा–अनुग्रहशील चिन्मय दिव्य–सत्ता को सादर प्रणामा्जलि !

ब्रह्मलीन संत श्रीपाल (श्रीमान् जी)

चिकित्सालय में आपराधिक घटनाओं पर लगेगी रोक : सीएमएस जिला चिकित्सालय

जिला चिकित्सालय में अराजक तत्वों से निपटने के लिये निजी सुरक्षा कर्मी तैनात

अयोध्या। जिला चिकित्सालय व महिला चिकित्सालय सहित अन्य सरकारी चिकित्सालयों परिसर में होने वाले अराजक तत्वों से निपटने के लिये शासन द्वारा निजी सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है।जिसका नतीजा यह रहा कि बुधवार को जिला चिकित्सालय में तैनात निजी सुरक्षा कर्मियों ने एक मोबाइल चोर को मोबाइल चुराते हुए रिकाबगंज पुलिस को सौंपा।मालूम हो कि कई बार किसी किसी बात को लेकर जिला चिकित्सालय व महिला चिकित्सालय के साथ–साथ अन्य सीएचसी केन्द्रों पर तैनात चिकित्सा कर्मियों से किसी ना किसी बात को लेकर वहां पर भर्ती मरीजों के परिजन भिड़ जाते थे।अगर देखा जाए तो जिला व महिला चिकित्सालय में यह घटना आम बात हो गई थी। यहां तक कि कई बार आरोप के मुताबिक वहां पर भर्ती मरीजों के परिजन संबंधित चिकित्सालय में तोड़ फोड़ कर क्षति पहुंचते थे।जिस पर जिला व महिला चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक द्वारा कई बार पुलिस को बुलाना पड़ता था।इस संबंध में जिला चिकित्सालय में तैनात प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ सी बी एन त्रिपाठी ने मार पीट करने वाले अराजक तत्वों के खिलाफ कई बार कोतवाली नगर में मुकदमा तक दर्ज कराया है।अभी पिछले दो महीने में इस तरह की कई घटनाएं जिला व महिला चिकित्सालय के साथ–साथ अन्य सीएचसी केन्द्रों पर घट चुकी है।यह घटना सिर्फ इसी जिले में ही नहीं बल्कि प्रदेश के अन्य जिलों में स्थित जिला व महिला चिकित्सालय के अलावा अन्य सीएचसी केन्द्रों पर घट चुकी है।जिसे शासन ने गंभीरता से लेते हुए सभी जिला व महिला चिकित्सालय के साथ–साथ सभी सीएचसी केन्द्रों पर निजी सुरक्षा कर्मियों करने का मन बनाया।उसी के तहत अयोध्या जिले में जिला चिकित्सालय व महिला चिकित्सालय के साथ–साथ सभी सीएचसी केन्द्रों पर निजी सुरक्षा कर्मियों की तैनाती हुई है। बुधवार को जिला चिकित्सालय में ये सुरक्षा कर्मी मुस्तैद दिखाई दिये। उन्होंने बताया कि चिकित्सालय परिसर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिये उनकी तैनाती की गई है। इस संबंध में जिला चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ सी बी एन त्रिपाठी ने बताया कि शासन द्वारा जिला चिकित्सालय में लगभग उनतीस निजी सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है।जिनकी तैनाती शिफ्ट के अनुसार आठ आठ घंटे तक रहेगी।उन्होंने बताया कि ये निजी सुरक्षा कर्मी खासकर उन लोगों पर विशेष ध्यान रखेंगे जो जिला चिकित्सालय परिसर में अराजकता फैलाने की कोशिश करते हैं।वही उन्होंने यहां पर तैनात सभी निजी सुरक्षा कर्मियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि जो भी व्यक्ति जिला चिकित्सालय परिसर में किसी भी तरह का व्यवधान या चोरी, छिनैती अन्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने की कोशिश करता है तो वे उनसे सख्ती से पेश आये।

पति दामाद समेत 5 लोगों ने नवयुवती की हत्या कर फेंका शव

हरदोई। शाहाबाद थाना क्षेत्र के उधरनपुर में गन्ने के खेत में एक महिला का शव पड़ा मिला। जिसकी पहचान सेहरामऊ थाना क्षेत्र के सूरतपुर निवासी चांदनी के रूप में हुई है। जिसमें पति समेत 5लोगों पर हत्या कर शव फेंके जाने का आरोप है। इस सनसनीखेज वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बताया गया कि शाहजहांपुर जनपद के सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के ग्राम सूरतपुर की रहने वाली 20 वर्षीय चांदनी का विवाह जनपद सीतापुर के ग्राम चांदपुर में प्रवेश के साथ एक वर्ष पूर्व हुआ था। चांदनी सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र का मेला देखने के लिए अपने मायके आई थी। पति को घर पर छोड़ कर सोमवार को चांदनी मेला देखने गई। मृतका की मां फूलमती के अनुसार चांदनी दो लड़कों के साथ झूला झूल रही थी। मेले में अचानक पहुंचे उसके पति ने गैर लड़कों के साथ में झूला झूलते हुए अपनी पत्नी को देखा तो नाराज हुआ और झूला रुकवा दिया। झूला रुकते ही चांदनी के साथ झूला झूल रहे लड़के कूदकर भाग गए। पति प्रवेश चांदनी को घर लाया। मायके में ही प्रवेश ने चांदनी को गाली गलौज कर पीटा। जिसके बाद वह पत्नी को अपने घर लाने के बहाने ससुराल से लेकर आया। फिर मंगलवार को अपराह्न करीब 03 बजे उधरनपुर मोहल्ले के एक गन्ने के खेत में चांदनी का शव बरामद हुआ। कुछ लोग खेतों में जानवर चरा रहे थे। उन्होंने महिला का शव देखा तो तत्काल गांव वालों को सूचना दी। मौके पर भारी भीड़ एकत्रित हुई तो कुछ लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर आनन–फानन में प्रभारी निरीक्षक दिलेश कुमार सिंह और क्षेत्राधिकारी हेमंत उपाध्याय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मृतका की मां फूलमती ने दामाद प्रवेश एवं पांच अन्य लोगों पर हत्या करने का आरोप लगाया है।

मौके पर पहुंचे एएसपी पश्चिमी दुर्गेश कुमार सिंह ने बताया कि उधारनपुर में सड़क के किनारे खेतों में एक महिला की डेड बॉडी मिली है। जोकि सेहरामऊ थाना क्षेत्र के सूरतपुर की रहने वाली महिला की है।

जिसमें पति समेत अन्य पर हत्या कर शव फेंकने का आरोप है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, मामले में जांच कर विधिक कार्रवाई की जायेगी।

दो सॉल्वर गैंग का राजफाश, लेखपाल समेत 14 गिरफ्तार

संवाददाता

लखनऊ। वीडीओ परीक्षा में पहले दिन मात्र 36 फीसदी ही उपस्थित रही। आयोग के अनुसार सुबह की पाली में रजिस्टर्ड 713586 में से 254302 अभ्यर्थी उपस्थित व 459284 अनुपस्थित रहे। कुल उपस्थिति मात्र 36 फीसदी रही है।एसटीएफ ने सोमवार को उप्र. अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की परीक्षा में सेंधमारी करने वाले दो गिरोह का राजफाश कर चार जिलों से 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें गिरोह का सरगना, सॉल्वर व अभ्यर्थी शामिल हैं। लखनऊ से गिरफ्तार लेखपाल के गिरोह ने ब्लूटूथ डिवाइस के जरिये सेंधमारी की। वहीं, बरेली के गिरोह ने बिहार के सॉल्वर बैठाकर अभ्यर्थियों को पास कराने का ठेका लिया था।सोमवार को ग्राम पंचायत अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी व समाज कल्याण पर्यवेक्षक के पदों के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी। एसटीएफ के एसएसपी विशाल विक्रम सिंह ने बताया कि सूचना के आधार पर पहले गैंग में लखनऊ से चार, गोरखपुर से दो और कानपुर से एक आरोपी को दबोचा गया। इनमें आजमगढ़ का रहने वाला लेखपाल कमलेश यादव भी शामिल है।

छेड़खानी में आरोपी शोहदा गिरफ्तार

अयोध्या।बुधवार को कोतवाली नगर पुलिस ने साहबगंज पुलिस चौकी क्षेत्र में नाबालिग लड़की को परेशान करने वाले आरोपी शोहदे को गिरफ्तार कर जेल भेजा। प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली नगर अश्वनी कुमार पाण्डेय ने बताया कि पीड़िता नाबालिग द्वारा दिए गए तहरीर मे बताया गया कि कोतवाली नगर क्षेत्र के साहबगंज पुलिस चौकी क्षेत्र निवासी आरोपी रियाल चौधरी आये दिन पीड़िता नाबालिग लड़की को मोबाइल फोन करके तथा आये दिन उक्त नाबालिग लड़की को आते जाते परेशान करने के साथ साथ उसके घर का चक्कर लगाता था। जिसके चलते आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

पार्षद अब वार्ड में डेढ़ करोड़ से करा सकेंगे विकास कार्य

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम की पहली कार्यकारिणी बैठक में वार्डों में विकास के लिए पार्षद का कोटा बढ़ा दिया गया है। वहीं, महापौर का कोटा भी बढ़ाकर 17 से 30 करोड़ रुपये कर दिया गया है।लखनऊ शहर की नई सरकार की पहली कार्यकारिणी बैठक में वार्डों के विकास के लिए पार्षद कोटा बढ़ा दिया गया। अब हर वार्ड के विकास कार्य पर डेढ़ करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। पहले यह राशि 1.25 करोड़ रुपये थी। बैठक में महापौर का कोटा 17 करोड़ से बढ़ाकर 30 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इसी तरह नगर आयुक्त का कोटा 15 करोड़ से बढ़कर 25 करोड़ रुपये हो गया है। बैठक में प्रस्तावों पर चर्चा से पहले भाजपा के गिरीश गुप्ता को कार्यकारिणी उपाध्यक्ष चुना गया।10 लाख रुपये तक के विकास कार्यों के टेंडर भी अब मैनुअल कराए जाएंगे। अभी तक 10 लाख से नीचे के कामों के भी ई–टेंडर होते थे। दो साल पहले 3000 सफाई कर्मचारी कम किए गए थे, जिन्हें फिर से लगाने का प्रस्ताव भी कार्यकारिणी ने पास कर दिया है।पार्षदों का कोटा 25 लाख रुपये बढ़ने से वार्डों के विकास कार्यों को गति मिलेगी। नाली–खड़ंजा के अलावा पेयजल, साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सड़क आदि के ज्यादा काम कराए जा सकेंगे। वहीं महापौर का बजट भी बढ़ाया गया है, जिससे शहर में जरूरत के मुताबिक विकास कार्य कराए जा सकेंगे।अब अगस्त तक हाउस टैक्स जमा कर ले सकेंगे छूट का फायदाहाउस टैक्स जमा करने पर 10 प्रतिशत की छूट का फायदा अब अगस्त तक उठा सकेंगे। पहले छूट का फायदा 31 जुलाई तक टैक्स जमा करने पर ही पा सकते थे। यातायात के सुगम प्रबंधन के लिए डीएम की अध्यक्षता में टेम्पो–टैक्सी एवं ऑटो रिक्शा संयुक्त मोर्चा, लखनऊ के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में 18 मई को बैठक हुई थी। इसमें लिए गए निर्णय के अनुसार नगरीय क्षेत्रों में 45 ठहराव स्थल बनाए जाने हैं। वहीं 27 पिक एंड ड्रॉप स्थल बनाए जाने हैं। अधिशासी अभियंता (ट्रैफिक) के इस प्रस्ताव पर उप समिति बनाने का फैसला हुआ। उप समिति में तीन पार्षद व नगर निगम, यातायात और आरटीओ के एक–एक अधिकारी होंगे।नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 172 (1) के तहत नगर निगम क्षेत्र में आने वाले हेलीपैड, हवाई अड्डा व हवाई पट्टियों पर प्रति व्यक्ति सौ रुपये एवं चार्टर्ड विमान, हेलीकॉप्टर इत्यादि की प्रति उड़ान पर तीन हजार रुपये की दर से चार्ज लगाने का कार्यकारिणी ने फैसला लिया। चौधरी चरण सिंह हवाई अड्डे का संचालन निजी कंपनी अडानी ग्रुप करता है। कार्यकारिणी में लिए गए फैसले को शासन को भेजा जाएगा।नगर निगम के पैनल अधिवक्ताओं की फीस की दरें पुनरीक्षित किए जाने के संबंध में प्रभारी अधिकारी (विधि) के प्रस्ताव पर निर्णय के लिए नगर आयुक्त को अधिकृत किया गया है। सभी पैनल अधिवक्ताओं की सूची एवं मोबाइल नंबर सदस्यों को उपलब्ध कराई जाएगी।ईकोग्रीन से हुए अनुबंध को निरस्त करने एवं बाद व्यवस्थाएं चलाने के संबंध में पर्यावरण अभियंता के प्रस्ताव पर विचार विमर्श किया गया। व्यवस्थाओं में सुधार लाने के लिए अलग से बैठक कर इस पर अंतिम रूप से निर्णय लिए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इसे अगली बैठक में पेश करने को कहा गया है। महापौर ने कहा कि कार्यकारिणी में जो प्रस्ताव पास हुए हैं, उन पर सदन की भी मुहर लगवाई जाएगी। इसको लेकर जल्द ही सदन की बैठक होगी। इसकी तारीख तय करने के लिए एक–दो दिन में पार्षद दल के नेताओं से बातचीत की जाएगी। जुलाई के पहले सप्ताह में सदन की बैठक बुलाए जाने की उम्मीद है।

हिन्दी सांध्य दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।